मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 30 अगस्त 2025

संवत 2082, भाद्रपद शुक्ल 7 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 02 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 जिहाद की ज्वाला, मिशन की चाल : संघ का संकल्प, भारत की ढाल

अक्षय ने अनाउंस की नई फिल्म हैवान 6

प्रेमिका एक, प्रेमी दो ,युवती के लिए आपस में भिड़े दोनों युवक, काटा गला,गंभीर

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में एक लड़की को लेकर दो युवकों के बीच खूनी संघर्ष देखने को मिला। यहां एक युवक ने दूसरे युवक के गले पर वार कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है।

मामला जिले के चुटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचवटी चौक का है। बताया जा रहा है कि पप्पू लोहरा नामक युवक का युवती से पहले प्रेम संबंध था, लेकिन पिछले कुछ महीनों से रवि सिंह नामक युवक भी उसी युवती से बातचीत करने लगा था। धीरे-धीरे रवि और युवती के बीच प्रेम संबंध बन गया। यह बात पप्पू को खटखने लगी। इसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई और बात मारपीट तक पहुंच गई। गुस्से में पप्पू ने पास की एक सब्जी दुकान से चाकू उठाया और रवि का गला रेता दिया।आनन-फानन में घायल रवि को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ जारी है और प्रेम प्रसंग से जुड़े अन्य कोणों की भी जांच की जा रही है।

पत्नी ने देह व्यापार से किया मना तो हैवान बना पति, पत्नी पर चाकू से किया हमला

जमशेदपुर: जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां के गोलमुरी के टुइलाडुंगरी में पत्नी ने देह व्यापार से मना करना इतना भारी पड़ा कि पति उसकी जान लेने पर उतारू हो गया। पत्नी ने देह व्यापार से मना किया तो पति ने बंधक बनाकर उसके प्राइवेट पार्ट और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

शुक्रवार को पीड़िता गोलमुरी थाना पहुंची और लिखित शिकायत की है। महिला का पति देह व्यापार के आरोप में पहले भी जेल जा चुका है। महिला की शिकायत के बाद पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश की जा रही है। इस मामले की शिकायत करते हुए पीड़िता ने बताया कि उसने तीन वर्ष पूर्व आकाशकांत लाल से प्रेम विवाह किया था।

शादी के कुछ समय बाद उसे पता चला कि उसका पति और ससुरालवाले देह व्यापार के धंधे में लिप्त हैं। हाल ही में पति ने चाईबासा ले जाकर जबरन देह व्यापार कराने का दबाव डाला। इनकार करने पर वह नाराज हो गया। इसके बाद आरोपी ने उसे कमरे में बंद कर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उसने चाकू से उसके चेहरे, प्राइवेट पार्ट और शरीर के अन्य हिस्सों पर वार कर दिया।

किसी तरह पीड़िता वहां से भागकर सोनारी स्थित मायके पहुंची और घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। परिजनों ने महिला को अस्पताल में भर्ती करवाया और उसका इलाज शुरू करवाया। परिजनों ने उसे लहूलुहान हालत में एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया। शुक्रवार को वह अपने परिजनों के साथ गोलमुरी थाना पहुंची और पति व सास-ससुर के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की। उसने पुलिस को बताया कि उसका पति पहले भी देह व्यापार के आरोप में जेल जा चुका है। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

न झुकेंगे, न कमजोर दिखेंगे,50% टैरिफ के बीच पीयूष गोयल का डोनाल्ड ट्रंप को कड़ा संदेश

नई दिल्ली: केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ के आगे नहीं झुकेगा और इसके बजाय नए बाजारों पर कब्जा करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। टैरिफ लागू होने के बाद अपनी पहली टिप्पणी में गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत हमेशा मुक्त व्यापार समझौते के लिए तैयार है। गोयल ने नई दिल्ली में निर्माण उद्योग से जुड़े एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि लेकिन भारत न तो झुकेगा और न ही कभी कमजोर दिखेगा। हम साथ मिलकर आगे बढ़ते रहेंगे और नए बाजारों पर कब्जा करते रहेंगे। गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार आने वाले दिनों में हर क्षेत्र को समर्थन देने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की घोषणा करेगी।

उन्होंने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि इस साल भारत का निर्यात 2024-25 के आँकड़ों को पार कर जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने की शुरूआत में नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की भारी खरीद के दंडात्मक उपाय के रूप में अमेरिका में कई भारतीय आयातों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था। ये टैरिफ इसी हफ़्ते लागू हुए और यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए मास्को पर दबाव बनाने के अमेरिकी प्रयासों का हिस्सा हैं। इस साल जनवरी में व्हाइट हाउस लौटने के बाद से, ट्रंप ने टैरिफ को एक व्यापक नीतिगत उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है, जिससे वैश्विक व्यापार में उथल-पुथल मची है। ट्रंप के इस ताजा टैरिफ हमले ने अमेरिका-भारत संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है। नई दिल्ली ने पहले इन टैरिफ़्स की आलोचना अनुचित, अनुचित और अतार्किक बताते हुए की थी। दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता कृषि और डेयरी बाजारों को लेकर अटक गई है। ट्रंप अमेरिका की पहुँच बढ़ाना चाहते हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के किसानों की रक्षा के लिए दृढ़ हैं, उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे दबाव में नहीं आएंगे। उन्होंने 'स्वदेशी' अभियान भी शुरू कर दिया है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पेंशन के लिए किया आवेदन

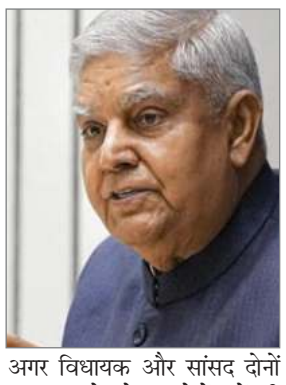

नई दिल्ली: देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी राजनीति से नहीं, बल्कि पेंशन से जुड़ी है। राजस्थान विधानसभा में पूर्व विधायक के नाते उन्होंने पेंशन के लिए आधिकारिक तौर पर आवेदन किया है। धनखड़ 1993 में अजमेर जिले की किशनगढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए थे।

हर महीने मिलेंगे 42 हजार रुपए: विधानसभा सचिवालय के मुताबिक, पूर्व उपराष्ट्रपति को मासिक 42,000 रुपए पेंशन मिलने की पात्रता है। राजस्थान में यह व्यवस्था है कि कोई व्यक्ति

अगर विधायक और सांसद दोनों रह चुका हो, तो वह दोनों पदों की अलग-अलग पेंशन प्राप्त कर सकता है। कई पूर्व जनप्रतिनिधि इस दोहरी पेंशन व्यवस्था का लाभ उठा भी रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पुष्टि की है कि धनखड़ का पेंशन फॉर्म सचिवालय को प्राप्त हो चुका है और आगे की प्रक्रिया जारी है।

हाल ही में दिया था उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा: धनखड़ ने हाल ही में अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया था। उन्होंने 21 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अपने त्यागपत्र की जानकारी दी थी। इस्तीफे का कारण उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बताया था। लेकिन उनका यह फैसला तब सुर्खियों में आया जब उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही पद छोड़ दिया।

विपक्ष ने उठाए सवाल, सिब्बल ने ली चुटकी: धनखड़ के इस्तीफे के बाद विपक्ष ने सवाल उठाने शुरू कर दिए। वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने तंज कसते हुए कहा कि अब तक तो लापता लेडीज सुना था, लेकिन ये पहली बार है जब लापता वाइस प्रेसिडेंट की कहानी सुनने को मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि जब उन्होंने धनखड़ के निजी सचिव से संपर्क किया, तो उन्हें केवल यह बताया गया कि वह आराम कर रहे हैं। इसके बाद से न कोई आधिकारिक बयान आया और न ही उनकी लोकेशन का पता चल सका।

अमेरिकी कोर्ट का झटका: ट्रंप को दुनिया पर टैरिफ लगाने का कोई अधिकार ही नहीं

वाशिंटन: अमेरिका की एक संघीय अदालत ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास लगभग भारत सहित सभी देशों पर भारी-भरकम शुल्क लगाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। अदालत ने हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के चारों ओर एक संरक्षणवादी दीवार बनाने के उनके प्रयास को फिलहाल बरकरार रखा। अमेरिकी फे-डरल सर्किट अपीलीय अदालत ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने और लगभग सभी देशों पर आयात कर लगाने की कानूनी अनुमति नहीं है। संघीय अदालत ने न्यूयॉर्क की एक विशेष संघीय व्यापार अदालत के फैसले को मोटे तौर पर बरकरार रखा।

न्यायाधीशों ने फैसले में लिखा, ऐसा प्रतीत नहीं होता कि राष्ट्रपति को शुल्क लगाने का असीमित अधिकार देने का संसद का कोई इरादा है। हालांकि न्यायाधीशों ने विभिन्न देशों पर लगाए गए शुल्क तत्काल रद्द नहीं किए और ट्रंप प्रशासन को उच्चतम न्यायालय में अपील करने की अनुमति दी। राष्ट्रपति ने ठीक यही करने का संकल्प जताया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, ह्लअगर इसे ऐसे ही रहने दिया गया, तो यह फैसला सचमुच अमेरिका को बर्बाद कर देगा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा कि ट्रंप ने कानूनी तरीके से काम किया है और हम इस मामले में अंतिम जीत की उम्मीद करते हैं।

रांची के बिरसा मुंडा जेल में कैदियों के बीच झड़प

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल में कैदियों के बीच झड़प की खबर सामने आ रही हैं। हाल ही में दो अलग-अलग घटनाओं में कैदियों के गुटों के बीच मारपीट की खबरें सामने आई हैं, जिसके बाद जेल प्रशासन सतर्क हो गया है और कड़ी कार्रवाई कर रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक श्रीवास्तव गैंग से जुड़े कुछ कैदियों ने भैरव सिंह और गणेश नामक कैदियों के साथ जमकर मारपीट की। इस मारपीट का मुख्य

कारण यह बताया जा रहा है कि भैरव और गणेश ने श्रीवास्तव गैंग के खिलाफ कथित तौर पर झूठी अफवाहें फैलाईं, जिससे गैंग का नाम खराब हो रहा था। वहीं, दूसरी तरफ कुरकुरे उर्फ साहिल हत्याकांड के बाद सामने आई है, उसमें गद्दी समाज (जिसे माचिस गैंग के नाम से भी जाना जाता है) के लोगों और तीन कैदियों, अरमान, असलम, और आसिफ के बीच झड़प हुई। हालांकि, इस झड़प का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह साफ है कि दोनों गुटों के बीच पहले से ही तनाव था। इस घटना के बाद जेल के भीतर सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत कर दिया गया है। हालांकि जेल में कैदियों के बीच हुई झड़प की कोई आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो पाई है।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में भूस्खलन से ढहा मकान, एक परिवार के सात सदस्यों की मौत, रामबन में फटा बादल, चार की गयी जान

जम्मू-कश्मीर: अधिकारियों ने पुष्टि की है कि शनिवार को जम्मू-कश्मीर के बड़े हिस्से में लगातार बारिश के कारण हुए ताजा भूस्खलन और बादल फटने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और कई लापता हो गए। रियासी ज़िले में शुक्रवार तड़के भूस्खलन के कारण एक घर ढह जाने से एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई। शनिवार सुबह कच्चे घर के मलबे से पाँच बच्चों (4, 6, 8, 10, 12 वर्ष) सहित सभी सात सदस्यों के शव निकाले गए। रामबन में, राजगढ़ के ऊँचाई वाले इलाकों में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में चार लोगों की जान चली गई और चार अन्य लापता हो गए। अधिकारियों के अनुसार, तेज पानी ने कई घरों को बहा दिया, कई ढाँचों को क्षतिग्रस्त कर दिया और कुछ पूरी तरह से बह गए। बचाव और राहत कार्य जारी है।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि माहोरे के बद्दर गांव में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन की वजह से एक मकान ढह गया। उन्होंने बताया कि परिवार के सातों सदस्यों के शव बरामद कर लिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान नजीर अहमद (38), उसकी पत्नी वजीरा बेगम (35) और उनके बेटों बिलाल अहमद (13), मोहम्मद मुस्तफा (11), मोहम्मद आदिल (आठ), मोहम्मद मुबारक (छह) और मोहम्मद वसीम (पांच) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि नजीर और उनका परिवार सो रहा था, तभी पहाड़ी ढलान पर स्थित उनका घर भूस्खलन के कारण गिरे मलबे की चपेट में आ गया और वे सभी उसके नीचे दब गए।

स्थानीय लोगों और पुलिस ने शवों को मलबे से बाहर निकाला। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में रात भर मध्यम से भारी बारिश हुई।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग, जो 270 किलोमीटर लंबा जीवनरेखा है और घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र बारहमासी मार्ग है, लगातार पाँचवें दिन भी बंद है। इस सप्ताह की शुरूआत में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण उधमपुर जिले में जखेनी और चेनानी के बीच हुए भूस्खलन के कारण 2,000 से ज्यादा वाहन फँस गए हैं। जम्मू क्षेत्र में नौ अंतर-ज़िला सड़कें भी भूस्खलन और कटाव के कारण बंद हैं। जम्मू, सांबा, कठुआ और उधमपुर के दर्जनों गाँव कई दिनों की लगातार बारिश के बाद भी संपर्क से कटे हुए हैं।

इस सप्ताह की शुरूआत में, जम्मू के कटरा में वैष्णो देवी मंदिर के पास हुए भूस्खलन में 31 लोग मारे गए और कई लापता हो गए। त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर का रास्ता तबाही के मंजर में बदल गया क्योंकि पहाड़ी के कुछ हिस्से टूटकर गिर गए। तब से यात्रा स्थगित थी।

मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए पुंछ, रियासी, राजौरी, किश्तवाड़ और उधमपुर में गरज और बिजली गिरने की चेतावनी देते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। शनिवार और रविवार के लिए पुंछ, किश्तवाड़, जम्मू, रामबन और उधमपुर में चेतावनी को ऑरेंज अलर्ट में बदल दिया गया है, जिससे भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

राजभवन पहुंचे बीजेपी नेता, सूर्या हांसदा एनकाउंटर की सीबीआई जांच और रैयत किसानों की जमीन बचाने की मांग

संवाददाता

रांची : सूर्या हांसदा पुलिस एनकाउंटर मामले की सीबीआई जांच और नगड़ी में रैयत किसानों की उपजाऊ जमीन पर प्रस्तावित रिम्स-2 निर्माण को रोकने की मांग को लेकर भाजपा का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को राजभवन पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और राज्य सरकार तथा पुलिस प्रशासन की कथित तानाशाही और हठधर्मिता से अवगत कराया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया।

सूर्या हांसदा एनकाउंटर पर सवालः भाजपा नेताओं ने सूर्या हांसदा मामले को लेकर कहा कि पुलिस अपना दामन बचाने के लिए उन्हें दुर्दांत अपराधी के रूप में पेश कर रही है, जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने दावा किया कि सूर्या हांसदा अपराधी नहीं बल्कि एक संवेदनशील, सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता थे। वे लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा करते हुए बोरियो विधानसभा क्षेत्र से चार बार चुनाव लड़ चुके थे। भाजपा नेताओं का आरोप है कि गोड्डा पुलिस ने राजनीतिक दबाव में आकर उनकी हत्या की। उन्होंने कहा कि इस फर्जी एनकाउंटर में मुख्यमंत्री के बरहेट विधायक प्रतिनिधि की भूमिका भी संदिग्ध है। परिजनों और स्थानीय लोगों को भी इस मामले में राजनीतिक संलिप्तता की आशंका है। इसी आधार पर भाजपा ने राज्यपाल से सीबीआई जांच के लिए राज्य सरकार को निर्देश देने की मांग की। रैयत किसानों की जमीन बचाने की मांगः प्रतिनिधिमंडल ने नगड़ी में रिम्स-2 के लिए हो रहे भूमि अधिग्रहण को भी तत्काल रोकने की मांग की। भाजपा नेताओं ने कहा कि सरकार पूरी तरह उपजाऊ जमीन पर अस्पताल निर्माण कर रही है, जो किसानों के जीवन और भविष्य के साथ अन्याय है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की हठधर्मिता के कारण रैयत किसानों के बीच विवाद और आक्रोश बढ़ रहा है। साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि किसानों पर दर्ज एफआईआर को वापस लिया जाए और विवाद का शांतिपूर्ण समाधान निकाला जाए। उन्होंने राज्यपाल से इस मामले में हस्तक्षेप कर किसानों के हितों की रक्षा करने की अपील की। राज्यपाल से निर्णायक भूमिका की अपेक्षाः भाजपा नेताओं ने स्पष्ट कहा कि सूर्या हांसदा एनकाउंटर और रैयत किसानों की जमीन का मामला केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों और सामाजिक न्याय से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने राज्यपाल से दोनों ही मामलों पर निर्णायक हस्तक्षेप करने और सरकार को संवैधानिक दायरे में काम करने के लिए निर्देशित करने की मांग की।

उपायुक्त की अध्यक्षता में आत्मा शासकीय निकाय की बैठक संपन्न

स्वीकृत कार्ययोजना के सफल क्रियान्वयन पर दिया गया बल

संवाददाता

खूंटीः समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में आत्मा शासकीय निकाय की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने कृषि, उद्यान, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। वर्ष 2024-25 के तहत संचालित कार्यक्रमों एवं योजनाओं की उपलब्धियों का आकलन करते हुए उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु स्वीकृत कार्ययोजना के सफल क्रियान्वयन पर बल दिया। बैठक के दौरान किसानों के प्रशिक्षण, फील्ड डेमोंस्ट्रेशन, कृषि उपकरण वितरण, बीज उत्पादन एवं वितरण, फसल विविधीकरण, महिलाओं के लिए खाद्य सुरक्षा समूह, किसान गोष्ठी, कृषक वैज्ञानिक संवाद, कृषि प्रदर्शनी एवं मेलों आदि विषयों पर विशेष रूप से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पारदर्शिता के साथ पहुँचे और समयबद्ध तरीके से सभी लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित हो। साथ हीं जिले में अच्छी खेती के लिए किसानों को विभिन्न जिलों एवं अंतर राज्य के जिलों में प्रशिक्षण के लिए भेजने को लेकर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। जिससे किसान प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने खेती में नई विधि और नई तकनीक को अपनाते हुए गुणवत्तापूर्ण खेती कर सके। इस अवसर पर कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण 'आत्मा' खूंटी एवं जिला कृषि विज्ञान केंद्र खूंटी द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए गए खूंटी जिले के लिए जलवायु आधारित सब्जियों तथा मोटे अनाजों की खेती नामक पुस्तक का उपायुक्त द्वारा विमोचन किया गया। इस पुस्तक के माध्यम से किसानों को खेती से जुड़े कई महत्वपूर्ण जानकारी के अलावा जलवायु आधारित खेती करने में सहयोग मिलेगा। बैठक में मुख्य रूप से परियोजना निदेशक आत्मा, डीडीएम नाबार्ड, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, उप परियोजना निदेशक आत्मा, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक, कृषक प्रतिनिधि, समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नियोजनालय परिसर तोरपा में भर्ती कैंप का आयोजन

संवाददाता

खूंटी/तोरपाः श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा नियोजनालय परिसर, तोरपा में एकदिवसीय भर्ती कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस भर्ती कैंप में कुल 05 प्रतिष्ठित नियोजकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें

1. एलीट फूड्स प्राइवेट लिमिटेड त्रिशूर।
2. सेवा सहयोग सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड जमशेदपुर
3. सीमा सुजुकी तोरपा खूंटी
4. 2050 हेल्थ केयर कोकर रांची।

पीएस मार्ट तोरपा खूंटी शामिल रहे।

भर्ती कैंप में लगभग 121 आवेदकों ने भाग लिया। इनमें से विभिन्न नियोजकों द्वारा 20 आवेदकों का चयन कर उन्हें ऑफर लेटर प्रदान किया गया, वहीं 63 आवेदकों को शॉर्ट-लिस्ट किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सहायक रोजगार अधिकारी, एनसीएससी,एससी/एसटी भारत सरकार, अनुज कुमार ने उपस्थित आवेदकों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी, शॉर्टहैंड टाइपिंग एवं कंप्यूटर से संबंधित जानकारी दी। साथ ही केन्द्र के अन्य कार्यक्रमों से भी अवगत कराया। इस अवसर पर लगभग 15 आवेदकों का प्रशिक्षण हेतु निबंधन भी किया गया। वहीं नियोजन पदाधिकारी, आनंद कुमार ने नियोजनालय में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी उपस्थित आवेदकों एवं नियोजकों को प्रदान की।

जनता दरबार में सुनी गई आमजनों की समस्याएं

उपायुक्त ने दिया त्वरित समाधान का निर्देश

संवाददाता

चतराः समाहरणालय परिसर स्थित अपने कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से बड़ी संख्या में आमजन अपनी समस्याओं और शिकायतों के साथ उपस्थित हुए।उपायुक्त ने आमजनों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य यही है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार भटकना न पड़े और प्रशासनिक स्तर पर उन्हें समयबद्ध राहत मिले। प्रस्तुत मामलों में भूमि विवाद, राशन कार्ड निर्गत एवं सुधार, शिक्षा विभाग से जुड़े विषय, अबुआ आवास योजना से संबंधित शिकायतें, दिव्यांगजनों के लिए ट्राईसाइकल उपलब्ध कराने की मांग, सड़क एवं बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दे, मईया सम्मान योजना तथा वृद्धा पेंशन से जुड़े मामले प्रमुख रहे।

जनता दरबार के सफल संचालन में जनशिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह जिला क्रीड़ा पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।उन्होंने प्राप्त शिकायतों के पंजीकरण एवं वर्गीकरण की प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया। इससे शिकायतों के त्वरित संकलन और आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने में सुविधा मिली।उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी प्राप्त आवेदनों और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए ताकि जनता को त्वरित राहत मिल सके। उपस्थित आमजनों ने इस पहल को सराहते हुए कहा कि जनता दरबार से उन्हें अपनी समस्याएं सीधे शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी तक पहुँचाने का अवसर मिलता है, जिससे समाधान की उम्मीद और भी प्रबल होती है।गौरतलब है कि जिले में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक समाहरणालय परिसर स्थित उपायुक्त कार्यालय में नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। इस दौरान आमजन अपनी समस्याओं को सीधे उपायुक्त के समक्ष रख सकते हैं और प्रशासन द्वारा त्वरित व प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है।

440 वोल्ट विद्युत तार की चपेट में आने से युवक की मौत

चतराः गिद्धौर थाना क्षेत्र के पेक्सा गांव में 440 वोल्ट के बिजली तार की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान पेक्सा गांव के ब्रह्मदेव दांगी के 26 वर्षीय पुत्र पिंटू कुमार के रूप में की गई है।जानकारी के अनुसार पिंटू कुमार गुरुवार की शाम दिहाड़ी मजदूरी कर गांव लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में गिरा पड़ा बिजली का तार अंधेरे के कारण नजर नहीं आया। जिससे मजदूर विद्युत तार के चपेट में आ गया और बुरी तरह झुलस गया। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया।जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। पिंटू कुमार अपने घर का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। वह दिहाड़ी मजदूरी कर अपने बूढ़े माता-पिता, पत्नी और दो छोटी बच्चियों का भरण-पोषण करता था। परिवार पहले ही मूसलधार बारिश के कारण कच्चे मकान के ध्वस्त हो जाने से संकट में है। और अब युवक की मौत से गहरा आघात पहुंचा है।

चार दिन पूर्व नदी में बहे युवक का शव बरामद

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड के वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के करमा पंचायत अंतर्गत मंझगांवा गांव निवासी जोगिंदर भारती का पुत्र पप्पू कुमार का शव गुरुवार को कर्मा एवं कनगुरुवा गांव स्थित लिंलाजन नदी से स्थानीय थाना पुलिस ने शव बरामद किया है।इस संबंध में बताया गया कि बीते सोमवार की देर शाम से मृतक अमझरीया नदी में डूब गया था। जिसे परिजनों के द्वारा काफी खोजबीन किया जा रहा था । सुबह नदी में पानी का जलस्तर कम होने के बाद ग्रामीणों को दिखाई पड़ा। इसके बाद ग्रामीणों ने स्थानीय थाना को जानकारी दी । जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया। इस घटना से मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है ।

जिला ओलम्पिक संघ के तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस पर विभिन्न खेलों का आयोजन

पूरे जिले से 1400 बालक/ बालिका खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

संवाददाता

चतरा : हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के समीप हैलीपेड मैदान में शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल दिवस पर चतरा जिला ओलम्पिक संघ के तत्वाधान में वॉलीबॉल, कबड्डी,वेटलिफ्टिंग,कुश्ती खेल स्पर्धाओं का आयोजन हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में दर्शक जुटे। कार्यक्रम का उद्घाटन चतरा जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सह जिप उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी,जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार,जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मौके पर जिला ओलम्पिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रेश शर्मा,सचिव राकेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष जितेंद्र चंद्रवंशी, जिला वॉलीबॉल संघ के संयुक्त सचिव मो शाहबान,जिला वेटलिफ्टिंग संघ के उपाध्यक्ष अबुल जमाल शादी, कोषाध्यक्ष निशांत जायसवाल, वेटलिफ्टिंग कोच मो कैफी,कबड्डी कोच सुनील कुमार वॉलीबॉल के पूर्व नेशनल प्लेयर अधिवक्ता संत कुमार सिंह समेत अन्य खिलाड़ी मौजूद थे। खेल का समापन देर शाम हुआ। वॉलीबॉल में छह टीमों ने हिस्सा लिया। नॉक आउट पद्धति से खेले गए मैच में अव्वल मोहल्ला,चतरा और पत्थलगड्डा प्रखंड की नावाडीह टीम फाइनल में पहुंची। कांटे के

मुकाबले में नावाडीह की टीम ने अव्वल मोहल्ला को तीन सेट के मैच में 2- 1 से शिकस्त दी। इसी प्रकार वेटलिफ्टिंग में अंडर 60 किलोग्राम कैटेगरी में मो शमी को गोल्ड मेडल मिला। सिल्वर अमित कुमार जयसवाल और ब्रारॉन्ज मेडल मो अबू सईद को मिला। 60 अधिकतम कैटेगरी में मो तहसीम को गोल्ड,आदर्श साहू को सिल्वर और उज्ज्वल कुमार को ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त हुआ। कबड्डी में चतरा ए ने फाइनल में चतरा बी को शिकस्त दिया। सभी विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।इसके अलावे टंडवा प्रखण्ड में चतरा जिला एथलेटिक्स संघ एवं गणेश स्पोर्टिंग क्लब राय के द्वारा 4 नम्बर मैदान बचरा मे खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 1600 मीटर दौड़ ,600 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड ,100 मीटर दौड़ एवं गोला फेक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सीसीएल पिपरवार के मुख्य महा प्रबंधक संजीव कुमार के द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन से पहले मुख्य अतिथि के द्वारा विश्व हॉकी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक पद्म भूषण मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया।उद्घाटन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पिपरवार थाना के सब इंस्पेक्टर राजेश यादव, बचरा मुखिया श्रीमती रीना देवी, राय पंचायत की मुखिया श्रीमती शीला देवी, झारखंड पब्लिक स्कूल मोहन नगर डकरा के प्रधानाध्यापक सह निर्देशक अभिषेक कुमार चौहान, सांसद प्रतिनिधि रविंद्र सिंह, क्लब के संरक्षक दीपक कुमार महतो व चंद्रदीप महतो शामिल हुए।वही समापन समारोह का कार्यक्रम शाम 5:00 बजे किया गया। समापन समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप में चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सीसीएल पिपरवार के मुख्य महाप्रबंधक (जीएम) संजीव कुमार, धर्मपत्नी पूनम सिंह, बचरा पंचायत की मुखिया रीना देवी,अर्पिता महिला मंडल के सदस्य शिखा शर्मा, सीमा कुमारी, रूपाली सिंह, रीता प्रसाद ,किरण चौधरी,रीना देवी, मुनिता मंडल, रीता प्रसाद, सांसद प्रतिनिधि संजीव कुमार माइकल, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण लक्ष्मण मंडल शामिल हुए। इस कार्यक्रम का संचालन चतरा जिला एथलेटिक्स संघ के संयुक्त सचिव गणेश कुमार महतो ने किया।वहीं अध्यक्षता गणेश कुमार के धर्मपत्नी किरण कुमारी ने की। गिद्धौर प्रखण्ड में उत्क्रमित उच्च विद्यालय पिंडारकोण के खेल मैदान में

हॉकी में 4 बालक टीम 4 बालिका टीम, वॉलीबॉल में चार बालक टीम, चार बालिका टीम, एथलेटिक्स के स्पर्धा में 100 मीटर रेस 200 मीटर रेस 50 मीटर रेस बोरा दौड़ और गोला फेंक कराया गया।कार्यक्रम के उद्घाटन मुख्य अतिथि चतरा जिला ओलंपिक संघ के सचिव राकेश कुमार सिंह ने पद्म विभूषण मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया।सभी खेल का संचालन शारीरिक शिक्षक दीपक कुमार एवं अन्य तकनीकी पदाधिकारी के द्वारा संपन्न कराया गया।हंटरगंज प्रखण्ड में चतरा जिला ओलम्पिक संघ के तत्वाधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर एथेलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 800 मीटर, 400 मीटर रिले,600 मीटर और ऊंची कूद का आयोजन किया गया। 400 मीटर रिले में प्रथम स्थान प्रफुल कुमार की टीम ने हासिल कर अपना परचम लहराया। वही 600 मीटर बालिका वर्ग में प्रथम स्थान मुस्कान कुमारी, द्वितीय साक्षी और तृतीय फूल कुमारी रही। 800 मीटर के बालक वर्ग में सूरज कुमार को प्रथम स्थान,प्रफुल कुमार को द्वितीय स्थान,मनु कुमार को तृतीय स्थान मिला। ठीक उसी प्रकार बालक वर्ग ऊंची कूद में प्रथम स्थान प्रेम कुमार,द्वितीय दीपक कुमार और तृतीय अंकित कुमार रहे।बालिका वर्ग ऊंची कूद में प्रथम स्थान मुस्कान कुमारी, द्वितीय फूल कुमारी और तृतीय स्थान निकिता कौर रही। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुखिया पति सतेंद्र कुमार सिंह और विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री राजीव कुमार एवं जिला एटलेटिक्स संघ के संयुक्त सचिव दीपक कुमार उपस्थित हुए ।सिमरिया प्रखण्ड में हॉकी चतरा के तत्वाधान में उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय लेपो ,सिमरिया में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 4 बालक एवं 6 बालिका टीम शामिल हुए। प्रतियोगिता की शुरूआत जिला ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष सह हॉकी चतरा के कोषाध्यक्ष जितेंद्र चंद्रवंशी ने सर्वप्रथम मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प भेंट कर किया। ततपश्चात विद्यालय के प्रधानाध्यापक जितेंद्र प्रसाद, शारिरिक शिक्षा शिक्षक अबोध राम, विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के अलावा सभी टीम के कप्तानों ने पुष्प अर्पित किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जितेंद्र चंद्रवंशी ने कहा की हॉकी खेल में लेपो विद्यालय का नाम काफी आगे रहा है।लेपो विद्यालय से ही पूरे जिले में खिलाड़ी हॉकी खेलने के लिए लोग प्रेरित हुए हैं । हॉकी खेल में इस विद्यालय को और आगे जाना है जिसके लिए हमारी ओर से जो सहयोग हो पाएगा विद्यालय के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। विद्यालय के प्रधानाध्यापक जितेंद्र प्रसाद ने कहा की बच्चे काफी मेहनत कर रहे हैं जिसके कारण आज हॉकी खेल में पूरे हमारे विद्यालय का नाम न सिर्फ चतरा में बल्कि राज्य में भी अपना नाम रोशन कर रहे है। मुझे उम्मीद है कि इसी तरह आप लोग अच्छा खेल का प्रदर्शन करते रहेंगे । फाइनल मैच बालक वर्ग में लाल एवं नीला दल के बीच हुआ। नीला दल के रोहित उरांव के एक गोल से टीम विजेता बनी। वहीं बालिका वर्ग के फाइनल मैच पीला एवं हरा के बीच हुआ जिसमें पीला दल दो गोल से विजय रहा। बालिका वर्ग में सुषमा एवं पुष्पा ने एक-एक गोल किया। विजेता टीम को मुख्य अतिथि के द्वारा मेडल एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्रधानाध्यापक जितेंद्र प्रसाद शारीरिक शिक्षा शिक्षक अबोध राम, शिक्षक शैलेश कुमार राणा ,संजय कुमार, हवारी तिग्गा,गीता श्रुति किरण खाखा, जयदुर्गेश अजमततुल्ला ,अनुज कुमार, मिराज नियाजी का सहयोग काफी सराहनीय रहा ।

शिबू सोरेन का मोरहाबादी आवास पत्नी रूपी सोरेन के नाम पर होगा आवंटित

भवन निर्माण विभाग ने तैयार किया प्रस्ताव

मेट्रो रेज

रांची: दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री और दिशोम गुरु शिबू सोरेन का रांची के मोरहाबादी स्थित सरकारी आवास अब उनकी पत्नी रूपी सोरेन के नाम पर आवंटित होगा। ये आवास उन्हे आजीवन के लिए आवंटित किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर भवन निर्माण विभाग ने इसको लेकर प्रस्ताव तैयार कर लिया है।

दो सितंबर को होने वाली कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को पेश किया जा सकता है। इसके बाद यह आवास रूपी सोरेन सोरेन के नाम पर हो जाएगा। इससे पहले नवंबर 2011 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की सरकार ने यह आवास शिबू सोरेन के नाम पर आजीवन के लिए आवंटित करने का फैसला किया था। उस समय झारखंड मुक्ति मोर्चा के सहयोग से बीजेपी की सरकार बनी थी। अर्जुन मुंडा मुख्यमंत्री थे और हेमंत सोरेन के साथ सुदेश महतो राज्य के उप मुख्यमंत्री बने थे। झारखंड आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के कारण उन्हें मोरहाबादी आवास आवंटित किया गया था। जब तक शिबू सोरेन जीवित रहे, तब तक इसी आवास में रहे।

हैरिटेज भवन के रूप में विकसित हुआ है शिबू सोरेन का आवासः झारखंड में 2019 में हेमंत सोरेन सरकार ने शिबू सोरेन के इस आवास को हैरिटेज भवन के रूप में विकसित करने का फैसला किया था। फिर इसे झारखंड का धरोहर घोषित करते हुए इसका विकास किया गया। इस पर करीब 4.59 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। चूंकि अब शिबू सोरेन नहीं रहे। रूपी सोरेन झारखंड आंदोलकारी की पत्नी है। इसीलिए अब यह आवास रूपी सोरेन के नाम पर आवंटित करने का फैसला लिया गया है।

रांची सहित 11 जिलों में बारिश और वज्रपात मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

रांची: मौसम विभाग से मिलीजानकारी के अनुसार, 30 अगस्त को राज्य के 11 जिलों में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। रांची, गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में वज्रपात के साथ बारिश हो देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

रांची और आसपास के क्षेत्रों में आकाश में बादल छाये रहने और दो से अधिक बार हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना जतायी गयी है। कई जिलों में चार सितंबर तक बारिश से पूरी तरह राहत नहीं मिलनेवाली है। कहीं-कहीं रूक-रूक कर बारिश होती रहेगी। इधर, एक जून से अब तक झारखंड में 1011।3 मिमली बारिश हो गयी है, जो सामान्य से 29 प्रतिशत अधिक है। वहीं, रांची में अब तक 1284।8 मिमी बारिश हो गयी है, जो सामान्य से 60 प्रतिशत अधिक है। पूर्वी सिंहभूम में 1501।5 मिमी बारिश हो गयी है।

संकट में रांची नगर निगम की सफाई व्यवस्था

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गये कचरा उठाने वाले 176 ट्रैक्टर चालक

मेट्रो रेज

रांची : रांची नगर निगम की सफाई व्यवस्था एक बार फिर संकट में है। शहर की सड़कों से कचरा उठाने वाले 176 ट्रैक्टर चालकों ने शनिवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर दिया है। इसके चलते रांची की सड़कों पर जगह-जगह कूड़े के ढेर लगने की आशंका है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

14 महीने से नहीं मिला भुगतान

ट्रैक्टर चालकों का कहना है कि उन्हें पिछले 14 महीनों से ट्रैक्टर किराए का भुगतान नहीं किया गया है। जब उन्होंने अपनी बकाया राशि की मांग की तो नगर निगम के कुछ अनुबंधित कर्मियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और धक्का-मुक्की कर उन्हें कार्यालय से बाहर कर दिया।

इस घटना के बाद चालकों ने कोतवाली थाने में लिखित शिकायत भी दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके विरोध में उन्होंने सामूहिक हड़ताल पर जाने का फैसला किया और इसकी लिखित सूचना स्वच्छता कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड और रांची नगर निगम को सौंप दी है।

महामारी में भी किया था काम, अब नहीं मिल रहा सम्मान

ट्रैक्टर चालक राजेश साहू ने बताया कि उन्होंने कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में भी अपनी जिम्मेदारी निभाई, लेकिन अब उनके साथ बुरा बर्ताव हो रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर संचालकों को नियम के अनुसार 72 घंटे में भुगतान किया जाना चाहिए, लेकिन 14 महीने से उन्हें एक भी पैसा नहीं मिला।

सड़क हादसे में अमरेन्द्र उपाध्याय की मौत

रांचीः धुर्वा के आदर्श नगर निवासी अमरेन्द्र उपाध्याय उर्फ बुलेट की बीती रात धुर्वा के सेक्टर 4 में वाहन दुर्घटना में मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार अमरेन्द्र उपाध्याय खाटू श्याम का भजन सुनने गणेश पण्डाल गए थे वहां से निकलने के क्रम में किसी तेज वाहन ने धक्का मार दिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अनियंत्रित होकर पुल के डिवाइडर से टकराया ट्रक, मची अफरा- तफरी

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची के जुमार पुल पर शनिवार सुबह एक ट्रक का भीषण सड़क हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पुल के डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि हादसे में किसी को चोट लगी है या नहीं। ट्रक चालक की हालत की जांच की जा रही है। इस दुर्घटना के कारण जुमार पुल पर कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें। साथ ही हादसे के कारणों की जांच जारी है।

रांची 37 गाड़ियों पर कार्रवाई, 5.22 लाख का जुर्माना वसूला

रांची : रांची जिला परिवहन विभाग ने आज सड़क सुरक्षा को लेकर बड़ा अभियान चलाया। लालगुटवा और पंडरा इलाके में हुई इस चेकिंग में 256 वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान 37 गाड़ियां नियम तोड़ती पाई गईं। इनमें बीमा, फिटनेस सर्टिफिकेट, प्रदूषण प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और ओवरलोडिंग जैसी गड़बड़ियां सामने आईं। नियम तोड़ने वालों से कुल 5 लाख 22 हजार 750 रुपये जुमार्ना वसूला गया। वहीं, गंभीर उल्लंघन करने वाली 6 गाड़ियों को जब्त कर पंडरा ओपी में रखा गया। इस पूरे अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार और मोटरयान निरीक्षक ने किया। अखिलेश कुमार ने कहा कि हमारा मकसद सिर्फ जुमार्ना वसूलना नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। हर वाहन चालक को चाहिए कि वह सभी जरूरी कागजात अपने साथ रखे और ट्रैफिक नियमों का पालन करे। परिवहन विभाग का कहना है कि ऐसे अभियान आगे भी लगातार चलेंगे ताकि रांची की सड़कों को और सुरक्षित बनाया जा सके।

भारतीय स्वर्णकार सेवा संघ का गठन

रवि कुमार अध्यक्ष व अरविन्द कुमार बने महामंत्री

मेट्रो रेज

रांची: श्री कान्यकुब्ज स्वर्णकार परिवार के तत्वावधान में, श्री राम जानकी मंदिर, चर्च रोड राँची में स्वर्णकार परिवार का एक बृहद बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता श्री कान्यकुब्ज स्वर्णकार परिवार के प्रमुख नन्दलाल साहू ने किया। बैठक में, पिछले कई बार के बैठकों में हुए निर्णय के आलोक में समस्त स्वर्णकार समाज का सर्वांगिन विकास एवं लोकहित में एक सेवा संघ का गठन किया गया जिसका नाम भारतीय स्वर्णकार सेवा संघ झारखण्ड राँची रखा गया। नव गठित भारतीय स्वर्णकार सेवा संघ झारखण्ड, राँची के निम्नलिखित पदाधिकारी चुने गये ।

मुख्य संरक्षकः नन्दलाल साहू - **संरक्षकः** डॉ जय प्रकाश गुप्ता, सुरेश प्रसाद साहू, प्रदिप कुमार, डॉ प्रदीप कुमार, वर्मा, गोपाल सोनी, लक्ष्मी नारायण स्वर्णकार,केशो लाल, राजकुमार प्रसाद, सुरेंद्र कुमार वर्मा, डॉ आनन्द वर्मा, रामबालक प्रसाद, उमेश प्रसाद वर्मा, दिनेश प्रसाद, रंजन कुमार

अध्यक्षःरवि कुमार पिंकू - **उपाध्यक्षः** रुपेश कुमार पप्पू, जितेंद्र कुमार वर्मा, अरविन्द सोनी, अमित कुमार डब्बू, संजय सोनी, रामानन्दन प्रसाद, संजय सोनी,अरुण कुमार,, अजय कुमार वर्मा- **महामंत्री :** अरविन्द कुमार सोनी - **मंत्रीः** अमित सोनी, मुकेश वर्मा, संतोष कुमार सोनी, राहुल कुमार मिक्की, अनूप कुमार,शशि प्रकाश वर्मा, एडवोकेट आशीष कुमार वर्मा कोषाध्यक्ष : अजय कुमार वर्मा

सह कोषाध्यक्ष— अरुण वर्मा, संजय प्रसाद - **संगठन मंत्री** : गोपाल सोनी - **सह संगठन मंत्रीः** नविन कुमार वर्मा, नीरज कुमार - **मीडिया प्रभारी :**अन्नू कुमार स्वर्णकार - **विधि सलाहकार :** एडवोकेट अरुण कुमार वर्मा

कार्यसमिति सदस्य के रूप में :अमित कुमार, राजकुमार सोनी, सुनील प्रसाद, सुनील प्रसाद, जितेश कुमार सोनी, अजय कुमार, टिंकू कुमार, दिनेश प्रसाद, शैलेंद्र कुमार गुड्डू, आकाश कुमार,राजकुमार, संजय प्रसाद, बालेश्वर प्रसाद, दीपक कुमार, आनन्द कुमार, विजय प्रसाद, महेश प्रसाद, उदय बर्मन, दीपू डे, प्रताप राव, प्रकाश समानता, नरेश प्रसाद, अमर प्रेम, संजय सोनी, राजकुमार प्रसाद, द्वारिका साव, सत्य प्रकाश गुप्ता, राजेश कुमार, अशोक सोनी मनीष बर्मन एवं संजय बर्मन पिंकू।

करमा से पहले उपायुक्त ने कला दल को उपलब्ध कराया दो पारंपरिक वाद्ययंत्र मांदर

रांची : करमा पर्व से पहले रांची जिला प्रशासन की एक संवेदनशील पहल ने बेड़ो प्रखंड के कलाकारों के चेहरे पर मुस्कान ला दी। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने जनता दरबार में मिली एक छोटी सी फरियाद को गंभीरता से लेते हुए कला दल को दो पारंपरिक वाद्ययंत्र मांदर उपलब्ध कराया। कुछ दिन पहले जनता दरबार में बेड़ो प्रखंड के कला दल के सदस्यों ने डीसी से कहा था कि उनके पास मांदर नहीं है, जिससे उनके सांस्कृतिक कार्यक्रम अधूरे लगते हैं। इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने करमा पर्व से पहले ही उन्हें मांदर देने का वादा किया, जो अब पूरा कर दिया गया है। मांदर पाकर कलाकारों में खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हुए करमा पर्व की पूर्व संध्या पर विशेष रूप से आमंत्रित भी किया है। श्री भजन्त्री ने कहा, झारखंड की लोक संस्कृति हमारी पहचान है। कलाकारों की सहायता करना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि गर्व की बात है। करमा जैसे त्योहार सामाजिक एकता का प्रतीक हैं,

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

ई निविदा सूचना सं. एसएण्डटी–जेयू–14–2025–26 भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक/सं.व. दू.उ. प. रे., जोधपुर द्वारा निम्न लिखित सिगनलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **1. कार्य का नामः** उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के फलोदी जंक्शन स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (डिस्ट्रिब्यूटेड टाइप) के प्रावधान के लिए एसएंडटी इनडोर और आउटडोर कार्य। **2. कार्य की अनुमानित लागतः** रुपये 5,45,07,059/– **3. ई निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पताः** वरि. मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजी. मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय हरीश जौशी मार्ग जोधपुर **4. बयाना राशि (Bid Security):** रुपये 422500/– **5. ई–निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समयः** 25.09.2025 को 11.00 बजे तक। तथा ई टेंडर ऑन लाईन आई आर ई पी एस 11.00 बजे बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जायेगी। **6. वैबसाईट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहाँ से टेण्डर का विवरण देखा जा सकें। एवं खरीद की जा सकें।: www.ireps.gov.in नोटः** यह एक ई टेण्डर हैं इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई टेण्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वैब साईट पर टेण्डर डाले। 1093-AJ/25

हमें /NWRailways NWRailways पर फॉलो करें

प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी

मेंट्रो रेज

रांचीः स्थानीय प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी के कला प्रेक्षागृह में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी आयोजित की गयी। बिहार सरकार के दिशा निर्देश पर इस बार कला गतिविधि खेलो और सीखो विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी। अभिभावक अपने बच्चियों द्वारा सृजित चित्र देख रोमांचित हो रहे थे। छात्राओं द्वारा चित्रित किया गया पोस्टर में खेल के विभिन्न आयामों को रचनात्मक तरीके से रखा गया था। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय राय अभिभावक को संबोधित करते हुए बोले कि छात्राओं में असीम संभावनाएं हैं,जो समय-समय पर कला गतिविधि में दिख जाता है। संगीत शिक्षक प्रमोद कुमार ने इस अवसर पर विकसित भारत 2047 के विषय पर स्वरचित लोक गीत प्रस्तुत करवाया। गीत ने अभिभावकों को अंदर से उद्वेलित कर उन्हें प्रशंसित कर रहा था। पोस्टर चित्रों का विधिवत मूल्यांकन होम साइंस शिक्षिका पिंकी कुमारी, अंशिका कुमारी, मनोविज्ञान शिक्षिका रिंकल कुमारी, अर्पिता यादव, रिंकी कुमारी ने मिलकर सामूहिक रूप से किया। मूल्यांकन क्रम में शिक्षिकाओं ने छात्राओं द्वारा सृजित चित्र को जीवन का हिस्सा बताते हुए कहा चित्र काफी कलात्मक है। जुनियर ग्रुप में प्रथम स्थान हासिल किया है अंजुम आरा द्वितीय किरण कुमारी, तृतीय सोनम कुमारी हासिल किया है। सिनियर ग्रुप में प्रथम स्थान आसमां खातून , ज्योति कुमारी नंदिनी कुमारी गुड़िया कुमारी क्रमशः हासिल किया। विद्यालय में शैक्षणिक माहौल के साथ कला गतिवधियां हमेशा समय के साथ होते रहता है। चित्रों का अवलोकन करते हुए शिक्षक मनोज कुमार,सुनित त्रिपाठी, सुकेश कुमार, चर्चिल टैगोर,निरज कुमार,सुभांशु शर्मा ने कहा गार्जियन के साथ संवाद कार्यक्रम काफी कलात्मक और प्रभावी रहा। शिक्षिका अंशिका कुमारी ने अपने संबोधन में एक लधु कविता के साथ काफी प्रभावी और धारदार विचार अभिभावकों के सामने रखा। सभी शिक्षकों ने बारी बारी से संबोधित किया। कई गार्जियन भी इस अवसर पर संबोधित किए। कार्यक्रम का संचालन चित्रकार रौशन राय ने किया। पूरे कलात्मक गतिविधि को संयोजित रौशन राय ने किया था। इस अवसर पर रौशनी कुमारी, मुस्कान कुमारी, रागिनी कुमारी,किरण कुमारी,काजल कुमारी, सोनम कुमारी,रोजी कुमारी, सुरभि कुमारी, खुशी कुमारी,सुरूची कुमारी व मिना देवी छात्राएं उपस्थित थीं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल संख्या-1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना–64/2025–26

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल सँख्या–1,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 06.09.2025 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 08.09.2025 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 08.09.2025 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Renovation of Main Building (Internal & External) Paver Block and Other work in VC Residence Near Marwari Women's University at Telephone Exchange Road, Upper Bazar Ranchi	4809600	96200	5000	Two Months
2	Construction of Car Shed, SS Grill in Boundary Wall and Miscellaneous work of Main Building in the Campus of "F" Type Staff Quarter No. -01/19 (Hon'ble Judge Residence) at Doranda, Ranchi (High Court Pool)	4903600	98100	5000	Two Months

नोट :– निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्ल संख्या–1, राँची

PR 360754 Building (25-26)_D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

खेल, संस्कृति और राष्ट्रप्रेम के आदर्श

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती है। उनका नाम आते ही हॉकी के मैदान में गेंद और स्टिक का अद्भुत संगम, दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देने वाला खेल-कौशल, और खेल के प्रति उनका अतुलनीय समर्पण स्मरण हो आता है। उनके अमूल्य योगदान के सम्मान में देश प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाता है। एक ऐसा दिन, जब खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और उत्कृष्टता का प्रतीक बन जाता है । खेलों का जीवन में महत्व अनुराग पुरोहित की इन पंक्तियों से सहज समझा जा सकता है– भारत के इतिहास पर दृष्टि डालें तो स्पष्ट होता है कि प्रत्येक महापुरुष के जीवन में किसी न किसी खेल का विशेष स्थान रहा है। श्रीकृष्ण की गेंद-खेल और कालिया नाग दमन की क्रीड़ा, भीम का गदा-युद्ध में अप्रतिम कौशल, अर्जुन का धनुष-बाण संचालन अथवा छत्रपति शिवाजी महाराज की सीमोल्लंघन की वीरतापूर्ण खेल-कूद की गतिविधियाँ, ये सभी केवल मनोरंजन के साधन नहीं थे, बल्कि उनके व्यक्तित्व-निर्माण की सुदृढ़ आधारशिला थे। निःस्संदेह, इस देश की पावन मिट्टी में खेल-खेल में ही भगवान और वीर जन्म लेते रहे हैं। स्वामी विवेकानंद ने भी जब एक दुर्बल युवक को गीता पढ़ने की इच्छा व्यक्त करते सुना तो पहले उसे गीता पढ़ने के बजाय फुटबॉल खेलने की सलाह दी। उनका संकेत स्पष्ट था, मजबूत शरीर और स्फूर्त मन ही ज्ञान को आत्मसात कर सकता है । हमारे पारंपरिक भारतीय खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का साधन नहीं, बल्कि वे मनुष्य के भीतर साहस, संगठन, धैर्य, बलिदान और जीवन-दर्शन जैसे गुणों का विकास करते हैं। उदाहरण के लिए, कबड्डी में ह्लआउटह्व होकर फिर ह्लइनह्व होना मानो मृत्यु के बाद नए जीवन का संदेश देता है। निःस्संदेह, देशज खेलों में गूढ़ शिक्षा छिपी है, जो खेलते-खेलते सहज ही मन में उतर जाती है । राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हमें अपने देश के पारंपरिक खेलों को स्मरण करते हुए भावी पीढ़ी को उनसे परिचित कराना चाहिए, साथ ही उन्हें आधुनिक खेलों में भी दक्ष बनाना चाहिए, क्योंकि खेल केवल शारीरिक स्फूर्ति का साधन नहीं, बल्कि चरित्र और संस्कारों के संवाहक भी हैं । यह खेल दिवस महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के स्मरण का अवसर है, जिनके अद्वितीय खेल कौशल और योगदान के सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस घोषित किया गया। उनकी जयंती पर विद्यार्थियों और खिलाड़ियों के बीच श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए हमें उनके जीवन और आदर्शों से प्रेरणा लेकर संकल्प करना चाहिए कि हम खेल जगत में न केवल उत्कृष्टता, बल्कि शुचिता और राष्ट्रभक्ति का भी परचम लहराएँगे। मेजर ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त 1905 को प्रयागराज में हुआ। बचपन में उनमें खिलाड़ी जैसे कोई विशेष लक्षण नहीं थे, पर सतत साधना, अभ्यास, लगन और संकल्प से उन्होंने हॉकी में महारथ प्राप्त की, जो उन्हें विश्वविख्यात बना गई । छठी कक्षा तक पढ़ाई के पश्चात 1922 में वे मात्र 16 वर्ष की आयु में प्रथम ब्राह्मण रेजिमेंट, दिल्ली में सिपाही के रूप में भर्ती हुए। उनका असली नाम ध्यान सिंह था, लेकिन चांदनी रात में अभ्यास करने की आदत के कारण साथी उन्हें ह्लचंदह्व कहने लगे और यही आगे चलकर उनका उपनाम बन गया–ध्यानचंद। 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारत को लगातार तीन स्वर्ण पदक दिलाने में उनका योगदान निर्णायक रहा। 1936 के बर्लिन ओलंपिक फाइनल में भारत ने जर्मनी को 8ञ्ज1 से हराया, जिसमें ध्यानचंद ने तीन गोल किए। जर्मन तानाशाह हिटलर भी उनके खेल-कौशल से इतना प्रभावित हुआ कि उन्हें अपनी सेना में उच्च पद का प्रस्ताव दिया, परंतु ध्यानचंद ने यह कहकर ठुकरा दिया–₹मैंने भारत का नमक खाया है, देश से गद्दारी नहीं करूंगा। अपने करियर में उन्होंने 1000 से अधिक गोल किए और ह्यहॉकी का जादूगरह्व तथा ळी ड्रूल्ल के रूप में विश्वविख्यात हुए। 1956 में उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया गया । 3 दिसंबर 1979 को वे इस दुनिया से सदा-सदा विदा हो गए, लेकिन उनकी स्मृति आज भी भारतीयों के हृदय में जीवित है। आज खेल जगत अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है– भ्रष्टाचार, डोपिंग, मैच फिक्सिंग, बढ़ती हिंसा और नशे की लत जैसी विकृतियाँ खेलों की शुचिता को आहत कर रही हैं। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिले से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा था कि एक समय खेलों को कैरियर का विकल्प नहीं माना जाता था, किंतु आज परिस्थिति बदल चुकी है । उन्होंने कहा –₹खेल विकास का महत्त्वपूर्ण पहलू है और मुझे खुशी है कि जहां एक समय बच्चों को खेलने पर माता-पिता से डांट पड़ती थी, वहीं आज माता-पिता को आनंद होता है कि उनके बच्चे खेलों में रुचि ले रहे हैं । मैं इसे शुभ संकेत मानता हूं । खेल प्रशासन में जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा खेल क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, निष्पक्षता और नैतिक आचरण को प्रोत्साहन देने हेतु 1 जुलाई 2023 से राष्ट्रीय खेल नीति (ठरढ) लागू की गई। इसमें एक एथलीट गोद लें, एक जिला गोद लें, एक स्थल गोद लें, एक कॉर्पोरेट्झएक खेल तथा एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रमझएक राज्य जैसी अभिनव पहलें शामिल की गई हैं। यह नीति खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, पारदर्शिता और सुनियोजित सहयोग प्रदान करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय खेल दिवस मनाते समय हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि मेजर ध्यानचंद का जीवन परिश्रम, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और शुचिता का अनुपम उदाहरण रहा है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें न केवल खेलों में उत्कृष्टता, बल्कि शुचिता और राष्ट्रभक्ति का भी परचम लहराने का संकल्प लेना चाहिए। आज देश का सर्वोच्च खेल सम्मान ह्लमेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कारह्व उनके नाम से दिया जाता है। फिर भी, उनके अमूल्य योगदान और अद्वितीय राष्ट्रभक्ति को देखते हुए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि भारत सरकार उन्हें भारत रत्न से विभूषित कर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करे।

आततायी शक्तियों के विनाश के लिए वीर गणपति बने अष्टविनायक

एकदंत अवतार–एक बार महर्षि च्यवन अपने तपोबल के माध्यम से मद की रचना की थी, और वह महर्षि का पुत्र भी कहलाया। मद ने दैत्य गुरु शुक्राचार्य से दीक्षा लेकर देवताओं पर अत्याचार करने लगा तब सभी देवताओं ने भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र का आह्वान किया, फिर भगवान ने एकदंत के स्वरुप में अवतार लिया।

डॉ.आनंद सिंह राणा

अनादि काल से भगवान श्रीगणेश की पूजा बुद्धि,ज्ञान और सौभाग्य के देवता के रुप में विभिन्न स्वरुपों में सनातन में होती आ रही है, परन्तु वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदुओं को,देश काल परिस्थितियों को देखते हुए वर्तमान और भावी पीढ़ी का परिचय केवल मोदक वाले, सूंड वाले, बड़े उदर वाले,नटखट बाल गणेश से ही नहीं कराना चाहिए,अपितु वीर गणपति से भी कराना चाहिए, ताकि वे भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें।साथ ही मिशनरियों,वामपंथियों और तथाकथित सेक्युलरों द्वारा श्रीगणेश के स्वरुप और लीलाओं को लेकर बनाई गई नौटंकियों का पटाक्षेप हो सके। इसलिए मोदक वाले सौम्य गणपति जी के साथ रौद्र वीर गणपति से भी परिचय कराना होगा,ताकि आने वाले समय के संकटों का सामना कर अपने हिन्दुत्व की रक्षा कर सकें। भगवान गणेश एक महा योद्धा हैं। गणेश जी के योद्धा रूप को वीर गणपति कहा जाता है। वस्तुतः यह स्वरुप सोलह भुजाओं वाला होता है। ये अपने हाथों में क्रमशः बैताल, भाला, धनुष, चक्रायुध, खड़ग, ढाल, हथौड़ा, गदा, पाश, अंकुश, नाग, शूल, कुन्द, कुल्हाड़ी, बाण और ध्वजा धारण करते हैं। इनकी छवि क्रोधमय तथा विकराल है। शत्रुनाश एवं आत्म संरक्षण के उद्देश्य से की गई आराधना अविलम्ब लाभ पहुंचाती है। वीर गणपति की पूजा करने से अदम्य साहस का संचार और शक्ति प्राप्त होती है, साथ ही हार न मानने की प्रेरणा मिलती है। भगवान श्रीगणेश ने भी समय-समय पर धर्म की रक्षा के लिए 8 अवतार लिए थे। ये आठ अवतार ही अष्टविनायक कहलाते हैं। एकदंत अवतार-एक बार महर्षि च्यवन अपने तपोबल के माध्यम से मद की रचना की थी, और वह महर्षि का पुत्र भी कहलाया। मद ने दैत्य गुरु शुक्राचार्य से दीक्षा लेकर देवताओं पर अत्याचार करने लगा तब सभी देवताओं ने भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र का आह्वान किया, फिर भगवान ने एकदंत के स्वरुप में अवतार लिया। एकदंत भगवान ने मदासुर को युद्ध में पराजित कर दिया और देवताओं को अभय का वरदान दिया। वक्रतुंड अवतार-भगवान गणेश ने वक्रतुंड अवतार मत्सरासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए लिया था।मत्सरासुर भगवान शिव का भक्त और उसने भगवान शिव से वरदान पा लिया था कि वह किसी भी योनि के प्राणी से नहीं हारेगा।मत्सरासुर के दो पुत्र क्रमशः सुन्दरप्रिय और विषयप्रिय भी थे और दोनों ही अत्याचारी थे. वरदान पाने के बाद मत्सरासुर ने शुक्राचार्य की आज्ञा से देवताओं को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।तब भगवान गणेश ने वक्रतुंड अवतार लेकर मत्सरासुर को पराजित किया और उसके दोनों पुत्रों का संहार किया। महोदर अवतार-दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने मोहासुर नामक एक राक्षस को अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा-दीक्षा देकर देवताओं के विरुद्ध लड़ने के लिए तैयार किया । मोहासुर के अत्याचारों से परेशान देवी-देवताओं ने मिलकर भगवान गणेश का आह्वान किया।तब गणेशजी ने महोदर अवतार लिया, महोदर अर्थात बड़े पेट वाला। महोदर अपने मूषक पर सवार होकर मोहासुर से युद्ध करने पहुंचे तभी मोहासुर ने भयाक्रांत होकर बिना युद्ध किए महोदर अवतार को अपना इष्ट बना लिया। गजानन अवतार-भगवान कुबेर के लोभ से लोभासुर का जन्म हुआ था।लोभासुर दैत्य गुरु शुक्राचार्य की शरण में गया और वहां से शिक्षा ली। शुक्राचार्य के कहने पर लोभासुर ने भगवान शिव से वरदान पाने के लिए कठोर साधना की।साधना से प्रसन्न होकर लोभासुर को निर्भय होने का वरदान दे दिया।वरदान पाकर लोभासुर ने सभी लोकों पर अधिकार कर लिया,तब सभी ने गणेशजी की प्रार्थना की और भगवान गणेश ने गजानन के रुप में अवतार लिया इसके बाद शुक्राचार्य की सलाह पर लोभासुर ने बिना युद्ध किए पराजय स्वीकार कर ली। विकट अवतार-जलंधर का एक पुत्र हुआ कामासुर।कामासुर ने भगवान शिव की कठोर तपस्या की थी, जिससे प्रसन्न होकर महादेव ने त्रिलोक विजय का वरदान दे दिया था। वरदान पाकर कामासुर ने देवताओं पर अत्याचार करना प्रारम्भ कर दिया।असुर से परेशान होकर सभी देवताओं ने भगवान गणेश का ध्यान किया और असुर से मुक्ति की प्रार्थना की।तब भगवान गणेश ने विकट अवतार लिया इस अवतार में भगवान गणेश मोर पर विराजित होकर आए और कामासुर को पराजित कर दिया। लंबोदर अवतार-एक बार क्रोधासुर नामक राक्षस ने सूर्यदेव की तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर सूर्यदेव ने क्रोधासुर को ब्रह्मांड पर विजय पाने का आशीर्वाद दे दिया। इसके बाद सभी देवी-देवता क्रोधासुर से भयभीत हो गए और भगवान गणेश का आह्वान किया।देवताओं की प्रार्थना को सुनकर भगवान गणेश ने लंबोदर का अवतार लिया। भगवान लंबोदर ने क्रोधासुर को रोक लिया और समझाया कि ब्रह्मांड पर कभी भी विजय प्राप्त नहीं कर सकते और ना ही अजेय योद्धा हो सकते।क्रोधासुर ने फिर अपना अभियान रोक दिया और हमेशा के लिए पाताल लोक में चला गया।

धूम्रवर्ण अवतार-एक बार ब्रह्माजी ने सूर्य भगवान को कर्म राज्य का स्वामी बना दिया, इससे उनके अंदर घमंड आ गया।राज्य करते हुए सूर्य भगवान को छींक आ गई, जिससे एक दैत्य की उत्पत्ति हुई, छींक से उत्पन्न हुए दैत्य का नाम अहंता पड़ा। अहंता दैत्य गुरु शुक्राचार्य के पास चला गया और वह अहंतासुर बन गया।इसके बाद उसने स्वयं का राज्य भी बना लिया और भगवान गणेश की पूजा करके वरदान भी प्राप्त कर लिया।

वरदान पाकर अहंतासुर देवताओं पर अत्याचार करने लगा, तब सभी ने भगवान गणेश को आह्वान किया. देवताओं के आह्वान पर भगवान गणेश ने धूर्मवर्ण का अवतार लिया. धूर्मवर्ण का रंग धुएं जैसा था और वे बहुत विकराल थे, उनके एक हाथ में भीषण पाश थे, जिसमें से भयंकर ज्वालाएं निकल रही थीं,धूर्मवर्ण ने अहंतासुर का अंत किया और देवताओं को राहत दी।

विघ्नराज अवतार-एक बार माता पार्वती अपनी सखियों के साथ कैलाश पर्वत पर विचरण रहीं थी, तभी बातचीत में हंसी आ गई,उनकी हंसी से एक विशाल पुरुष की उत्पत्ति हुई और उन्होंने उसका नाम ह्यममह्व रख दिया। मम वन में तप करने चला गया, जहां उसकी मुलाकात शंबासुर से हुई, शंबासुर ने मम को कई आसुरी शक्तियां दीं।इसके बाद मम ने गणेशजी को प्रसन्न करके ब्रह्मांड का राज मांग लिया।जब इसके बारे में शुक्राचार्य को जानकारी मिली तब उन्होंने मम को दैत्यराज का पद दे दिया।

जिहाद की ज्वाला, मिशन की चालः संघ का संकल्प, भारत की ढाल

विलियम कैरी और एलेक्जेंडर डफ ने शिक्षा और सेवा का आवरण ओढ़ कर भारतीय परंपरा को 'अंधविश्वास' और 'बर्बरता' कहकर बदनाम किया। यहां तक कि इतिहासकार स्टीफन नेफ ने भी स्वीकारा कि मिशनरियों का घोषित परोपकार अंततः धर्मांतरण का औजार ही था।दरअसल, जिहाद और मिशन सतह पर भिन्न थे पर ध्येय समान था।

प्रणय विक्रम सिंह

भारत की आत्मा सहिष्णुता और समन्वय पर आधारित रही है। 'एकम् सद्विप्रा बहुधा वदन्ति' का उद्घोष ही इसका प्राण रहा। किंतु मध्यकाल में इस्लामी आक्रांताओं के साथ एक अमानवीय जिहाद नामक एक नई मानसिकता उतरी। जिसने तलवार और दमन से मंदिर ढहाए, विश्वविद्यालय जलाए और असंख्य जबरन धर्मांतरण कराए। अल-बरूनी से लेकर इब्नेबतूता तक विदेशी यात्रियों ने प्रमाणित किया कि यह आक्रमण केवल सत्ता की लालसा नहीं, बल्कि संस्कृति मिटाने का संकल्प था।

औपनिवेशिक काल में यही चुनौती एक नए रूप में लौटी। पुर्तगालियों का गोवा इन्क्विज़िशन हो या ब्रिटिश संरक्षण में पनपे मिशनरी विद्यालय, उद्देश्य वही रहा, भारत को उसकी जड़ों से काटना। विलियम कैरी और एलेक्जेंडर डफ ने शिक्षा और सेवा का आवरण ओढ़ कर भारतीय परंपरा को 'अंधविश्वास' और 'बर्बरता' कहकर बदनाम किया। यहां तक कि इतिहासकार स्टीफन नेफ ने भी स्वीकारा कि मिशनरियों का घोषित परोपकार अंततः धर्मांतरण का औजार ही था।दरअसल, जिहाद और मिशन सतह पर भिन्न थे पर ध्येय समान था। एक ने मंदिर तोड़े, दूसरे ने उन्हें अंधविश्वास कहा। एक ने रक्त बहाया, दूसरे ने आत्मा चुराई। एक ने शारीरिक गुलामी थोपी, दूसरे ने मानसिक दासता। भारतीय चिंतकों ने इस दोहरी चुनौती को भली-भांति पहचाना। स्वामी विवेकानंद ने चेताया कि 'विदेशी धर्म हमें हमारी आत्मा से काट देंगे।' महात्मा गांधी ने कहा कि 'मिशनरियों की सेवा आत्मा की चोरी है।' राजगोपालाचारी ने धर्मांतरण को 'राजनीतिक प्रश्न और सामाजिक एकता के लिए खतरा' बताया। यह संकट केवल अतीत की कहानी नहीं, वर्तमान का भी यथार्थ है। वर्ष 1951 में मुसलमानों की संख्या थी 9.8 प्रतिशत, जो आज बढ़कर 14.2 प्रतिशत हो चुकी है। असम, बंगाल और बिहार की सीमावर्ती जिलों में हिंदू अब अल्पसंख्यक हो गए हैं। ईसाई समुदाय भी अप्राकृतिक रूप से बढ़ा। 1951 में इनकी कुल संख्या थी 80 लाख (2.3%), 2011 तक यह 2.78 करोड़ (2.8%) पहुंच गई। उत्तर-पूर्व इसका तीखा प्रमाण है, नागालैंड 90%, मिजोरम 87%, मेघालय 75%, और अरुणाचल में 1971 का 1% अब 30% से ऊपर है। हिंदू, जो कभी 85 फीसदी से अधिक थे, आज घटकर 79.8 प्रतिशत रह गए हैं। मुसलमान और ईसाई मिलकर अब 20 करोड़ से भी अधिक हैं, यानी स्वतंत्र भारत (1951) की आधी जनसंख्या से भी बड़ा समूह! ये आंकड़े मात्र जनगणना नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर अंकित अलार्म हैं। जहां हिंदू घटा, वहां कट्टरपंथ, अलगाववाद और मिशनरी जाल बढ़ा। जहां हिंदू टूटा, वहां भारतीयता लुटी, अस्मिता झुकी और संस्कृति सिकुड़ी। यदि अब भी समाज संगठित न हुआ, तो यह संख्या का समीकरण, संस्कृति के समूल संहार का समीकरण बन जाएगा।

इसी संयुक्त चुनौती के बीच डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने यह गहरी अनुभूति प्राप्त की, कि भारत की रक्षा का उपाय केवल तलवार या सत्ता में नहीं, बल्कि समाज की आत्मिक शक्ति, अनुशासन और संगठन क्षमता में निहित है। उन्होंने देखा कि विदेशी आक्रांताओं ने भारतीयता को पराजित करने के लिए समाज की जड़ों पर प्रहार किया, अतः उत्तर भी जड़ों से ही निकलना चाहिए। वे समझ गए थे कि जब तक भारतीय समाज आत्महीन और विखंडित रहेगा, तब तक वह विदेशी विचारधाराओं के सामने टिक नहीं पाएगा। इसलिए 1925 की विजयादशमी को उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। यह कोई सामान्य संगठन नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संकल्प, आत्मा-जागरण का यज्ञ और राष्ट्र की चेतना का नवोत्थान था। संघ का सबसे बड़ा प्रत्युत्तर उसकी शाखा बनी। खुले मैदान में लगने वाली यह साधारण-सी सभा वस्तुतः एक जीवंत प्रयोगशाला थी। वहां खेलों से शरीर सबल होता, व्यायाम से मन अनुशासित होता और प्रार्थना से आत्मा संस्कारित होती। ₹नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे₹ केवल गीत नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति जीवन-समर्पण का उद्घोष था। डॉ. हेडगेवार कहा करते थे कि ₹मुठ्ठीभर संगठित लोग भी पूरे समाज में चेतना का संचार कर सकते हैं।₹ यही विश्वास आगे चलकर सत्य सिद्ध हुआ। शाखाओं से निकले स्वयंसेवक ग्राम-ग्राम और नगर-नगर में समाज को संगठित करने लगे।जहां मिशनरियों ने सेवा और शिक्षा को धर्मांतरण का साधन बनाया, वहीं संघ ने इन्हीं माध्यमों को भारतीय आत्मा से जोड़ा। वनवासी कल्याण आश्रम इसका सजीव उदाहरण है। इस संगठन ने आदिवासी समाज को उसकी संस्कृति से काटने के बजाय उसके गौरव की रक्षा की। वहां सेवा का अर्थ किसी को धर्म बदलवाना नहीं, बल्कि उसकी आत्मा और स्वाभिमान को सुदृढ़ करना था। आज सेवा भारती, विवेकानंद केंद्र और एकल विद्यालय जैसे संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्राम विकास और आपदा प्रबंधन में सक्रिय हैं। इनसे करोड़ों लोग लाभान्वित हुए हैं, बिना किसी धर्मांतरण की शर्त के। यही संघ की सेवा और मिशनरी सेवा के बीच का मूलभूत अंतर है। संघ का सबसे बड़ा योगदान यही रहा कि उसने भारतीय समाज को आत्मगौरव लौटाया। सदियों तक अपमान सहने के बाद जब समाज हीनभावना से ग्रस्त हो चुका था, तब संघ ने यह विश्वास जगाया कि भारत केवल राजनीतिक राष्ट्र नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्र है। डॉ. हेडगेवार ने स्पष्ट कहा था कि ₹कांग्रेस की लड़ाई सत्ता परिवर्तन की है, हमारी लड़ाई समाज परिवर्तन की है।₹ इसी कारण संघ ने राजनीति की क्षणभंगुरता से दूरी बनाकर संस्कृति और संगठन को केंद्र में रखा। आज जब दुनिया एक वैश्विक गांव बन चुकी है, तब चुनौतियां भी सीमाओं से आगे बढ़ चुकी हैं। जिहाद अब आतंकवाद, अलगाववाद और ऑनलाइन कट्टरपंथ के रूप में है, जबकि मिशनरी गतिविधियां एनजीओ, विदेशी फंडिंग और डिजिटल परोपकार की आड़ में अधिक संगठित हो चुकी हैं। यह आक्रमण तलवार की चमक जितना प्रत्यक्ष नहीं, किंतु उससे कहीं अधिक गहरा और कपटी है क्योंकि यह सीधे आत्मा और चेतना पर प्रहार करता है। ऐसे समय में संघ का उत्तर और भी प्रासंगिक है। डॉ. हेडगेवार का वह सूत्र कि 'संगठन और संस्कार' आज भी उतना ही जीवन्त है। एकल विद्यालयों से नई पीढ़ी को जड़ों से जोड़ा जा रहा है, ग्राम विकास योजनाओं से आत्मनिर्भरता की चेतना जगाई जा रही है, स्वदेशी अभियानों से आर्थिक स्वाभिमान सुदृढ़ हो रहा है और सांस्कृतिक नवजागरण कार्यक्रमों से भारत की आत्मा को नए युग के अनुरूप सुसज्जित किया जा रहा है। संघ की दृष्टि यही है कि किसी भी विदेशी विचारधारा का मुकाबला शस्त्रों से नहीं, बल्कि संस्कारों से किया जाए। जब समाज अनुशासित, संगठित और आत्मबल से परिपूर्ण होगा, तब न आतंकवाद उसे डरा सकेगा, न मिशनरी प्रलोभन बहका पाएंगे। आज की परिस्थितियों में यह स्मरण आवश्यक है कि भारत की शक्ति केवल उसकी राजनीति या सैन्य शक्ति में नहीं, बल्कि उसकी संस्कृति, समाज और आत्मा में है। यदि समाज संगठित रहेगा, आत्मगौरव से सम्पन्न रहेगा और अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेता रहेगा, तो जिहाद और मिशन जैसे हर आक्रमण निष्फल सिद्ध होंगे। किंतु यदि समाज आत्महीन, विखंडित और दिशाहीन हुआ, तो कोई भी विदेशी शक्ति भीतर से भारत को दुर्बल कर सकती है। इसीलिए डॉ. हेडगेवार का यह संदेश आज भी गूंजता है कि ₹सच्चा स्वराज तभी संभव है, जब प्रत्येक भारतीय के हृदय में राष्ट्र पहले और स्वयं बाद में हो। यह संदेश केवल नारा नहीं, बल्कि राष्ट्र-जीवन का शाश्वत सूत्र है। यही सूत्र भारत को बार-बार आत्मविस्मृति से उबारता रहा है और आगे भी उबारता रहेगा। यही वह मंत्र है जो भारतीय समाज को संगठित कर उसकी आत्मा को अभेद्य कवच प्रदान करता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महादेव की कृपा से चमकेगी किस्मत

वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर में भगवान शिव की चतुर्भुज तस्वीर या किसी भी रूप में महादेव की तस्वीर लगाना बेहद शुभ माना जाता है। भगवान शिव का चतुर्भुज रूप भगवान विष्णु के चतुर्भुज रूप से अलग है। शिव के चतुर्भुज रूप में वह ध्यान मुद्रा में या प्रसन्नचित मुद्रा में है। इतना ही नहीं अलग-अलग तस्वीरों में भगवान शिव अलग-अलग मुद्रा में बैठे हुए हैं। भगवान शिव की इस तरह की तस्वीर घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और घर में सुख-शांति व समृद्धि बनी रहती है। भगवान शिव के चतुर्भुज रूप की तस्वीर घर में लगाने से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है और समस्याओं से भी बचाती है। भगवान शिव की प्रसन्न मुद्रा वाली तस्वीर घर में लगाने से घर में सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि लाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या भगवान शिव

की चतुर्भुज तस्वीर घर में लगा सकते हैं और किस दिशा में लगाने से लाभ मिलता है।

किस दिशा में लगाएं चतुर्भुज शिव की तस्वीर

वास्तु शास्त्र के मुताबिक भगवान शिव की तस्वीर या मूर्ति हमेशा घर में उत्तर दिशा में लगानी चाहिए। इसकी पीछे यह कारण है कि कैलाश पर्वत, जोकि भगवान शिव का निवास स्थान है, उत्तर दिशा में स्थित है। भगवान शिव की चतुर्भुज तस्वीर ऐसी जगह लगाएं, जहां घर में आने-जाने वाले लोग आसानी से दर्शन कर सकें। अगर आप भगवान शिव की चतुर्भुज तस्वीर लगा रहे हैं, तो इस बात का खास ख्याल रखें कि भगवान शिव प्रसन्न मुद्रा में होने चाहिए। इससे घर में सुख-शांति और सौभाग्य की प्राप्ति हो सकती है और जीवन में आने वाली परेशानियां दूर हो सकती हैं।

तस्वीर लगाने के नियम

आप जिस भी दीवार पर या जगह पर शिवजी की तस्वीर लगा रहे हैं। ध्यान रखें कि वह जगह साफ-सुथरी होनी चाहिए। कभी भी भगवान शिव की तस्वीर या मूर्ति बेडरूम में नहीं लगानी चाहिए, क्योंकि इसको शुभ नहीं माना जाता है। अगर आप अपने घर में शिवजी की चतुर्भुज तस्वीर लगा रहे हैं, तो रोजाना पूजा-पाठ जरूर करें।

टिप्स

डल स्किन भी हो जाएगी ब्राइटन

हम सभी एक ब्राइटन स्किन चाहते हैं और इसके लिए तरह-तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि हर बार आप मार्केट में मौजूद प्रोडक्ट्स पर ही भरोसा करें। बल्कि अगर आप चाहें तो खुद घर पर अपने किचन इंग्रीडिएंट्स की मदद से भी डल और बेजान स्किन का बेहतर तरीके से ख्याल रख सकते हैं। जी हां, डल स्किन की समस्या आज के समय में बेहद आम होती जा रही है। बहुत अधिक तनाव, धूल-मिट्टी, प्रदूषण व खान-पान का असर सिर्फ सेहत ही नहीं, स्किन पर भी देखने को मिलता है। जिसकी वजह से स्किन काफी थकी हुई, बेजान व डल नजर आती है। ऐसे में अपनी स्किन को फिर से रिजुविनेट करने के लिए आप अपनी किचन का ही रुख कर सकते हैं। हम सभी की किचन में ऐसे कई आम इंग्रीडिएंट्स होते हैं, जो स्किन के लिए किसी वरदान से कम नहीं होते हैं। साथ ही, केमिकल फ्री होने की वजह से आपको अपनी स्किन को लेकर परेशान होने की भी जरूरत नहीं होती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ किचन इंग्रीडिएंट्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी डल स्किन में फिर से नई जान डालने में मदद करेंगे- **हल्दी और दही से बनाएं ब्राइटनिंग पैक** : अगर आपकी स्किन डल व बेजान नजर आने लगी है तो ऐसे में आप हल्दी और दही की मदद से एक ब्राइटनिंग फेस पैक बना सकती हैं। हल्दी स्किन के रूखेपन को कम करने के साथ-साथ एक ब्राइटनेस भी लेकर आती है।

मिताली जैन

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

रोड टास्क फोर्स की आयोजित बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमकाः उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में शुक्रवार को रोड टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में पूर्व की बैठक में दिए गए निदेशों की समीक्षा की गयी तथा सड़कों की बेहतर स्थिति एवं सड़क सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्पष्ट कहा कि किसी भी सड़क पर गड्ढे नहीं रहें, इसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी महत्वपूर्ण सड़कों का नियमित निरीक्षण करने एवं कहीं भी गड्ढा पाए जाने पर तत्काल मरम्मत की कार्रवाई करने का निर्देश संबंधित विभागों को दिया।बैठक में उन्होंने नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया कि स्ट्रीट लाइट बंद करने हेतु स्विच

लगाए जाएं, ताकि दिन के समय लाइटें जलती न रहें। साथ ही उन्होंने सड़क सुरक्षा उपायों को और प्रभावी बनाने के लिए 10 ब्रेथ एनालाइजर यंत्र क्रय करने का भी निर्देश दिया, जिससे वाहनों की जांच के दौरान इसका उपयोग किया जा सके। उपायुक्त श्री सिन्हा ने सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस विभाग को हेलमेट चेकिंग एवं ओवरलोडिंग वाहनों की नियमित जांच करने का सख्त निदेश दिया। उन्होंने कहा कि दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की निरंतर जांच की जाए तथा ड्रिंक एंड ड्राइव पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। बैठक में यह जानकारी दी गयी कि सघन वाहन जांच अभियान के दौरान 76 दोपहिया वाहन बिना हेलमेट तथा 38 भारी मालवाहक वाहनों से कार्रवाई कर अब तक कुल 26,60,875/- दंड राशि के रूप में वसूली की गयी है। बैठक में निर्णय लिया गया कि दो पहिया वाहन चालक एवं सहयात्रियों के लिए भारतीय मानक (आईएसः4151-2015) के अनुरूप हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही यह भी तय किया गया कि भारतीय मानक के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार के हेलमेट की बिक्री पर रोक लगाई जाएगी। उपायुक्त श्री सिन्हा ने इस संबंध में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), दुमका को निदेश दिया कि एक विशेष टीम गठित कर गैर-मानक हेलमेट बेचने वाले उत्पादकों/विक्रेताओं के विरुद्ध मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019 की धारा 182अ(3) के तहत प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार, अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार,जिला परिवहन पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार,सड़क सुरक्षा के सदस्यगण,संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

साहिबगंज में तीन दिवसीय जिला प्रक्रिया प्रयोगशाला दूसरे दिन भी जारी

संवाददाता

साहिबगंजःआदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत तीन दिवसीय जिला प्रक्रिया प्रयोगशाला का आयोजन दूसरे दिन सिद्धो कान्हू सभागार साहिबगंज में जारी रहा। इस अवसर पर प्रखंड स्तर के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों अभियान से जुड़े कार्मिकों ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य जमीनी स्तर पर नेतृत्व कौशल, योजनाओं के समन्वय की जानकारी, शिकायत निवारण प्रणाली तथा सहभागी विकास की प्रक्रिया से अवगत कराना है। ताकि वे अपने-अपने प्रखंडों में आदि कर्मयोगी अभियान की प्रभावी रूपरेखा लागू कर सकें।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जिला प्रक्रिया प्रयोगशाला के माध्यम से चुने गए अधिकारियों को प्रखंड मुख्य प्रशिक्षक के रूप में तैयार किया जाएगा। आगे चलकर यही मुख्य प्रशिक्षक ग्राम स्तर के कार्यकताओं, पंचायत प्रतिनिधियों और अग्रिम पंक्ति के कार्मिकों को प्रशिक्षित करेंगे, जिससे योजनाओं और सेवाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुँच सके।तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को आदि कर्मयोगी अभियान की परिवर्तन की सर्पिल प्रक्रिया से भी अवगत कराया जा रहा है। जिसमें क्रमशः जागरूकता, सशक्तिकरण, कार्रवाई, अनुकरणीय उदाहरण, संस्थानीकरण, और विस्तार सम्मिलित हैं। इसके साथ ही प्रतिभागियों को यह भी बताया जा रहा है। कि किस प्रकार गाँवों में विजन योजना 2030 तैयार की जाएगी और प्रत्येक गाँव में आदि सेवा केंद्र स्थापित कर उन्हें शिकायत निवारण तथा सेवा उपलब्ध कराने का एकल केंद्र बनाया जाएगा।दूसरे दिन पर प्रतिभागियों को अभियान की मूल अवधारणा और राष्ट्रीय दृष्टिकोण से अवगत कराया गया। साथ ही उन्हें व्यावहारिक अभ्यास, समूह कार्यशालाएँ, अध्ययन प्रसंग और मैदानी अनुकरण जैसी गतिविधियों में सम्मिलित किया जाए।यह जिला प्रक्रिया प्रयोगशाला न केवल अधिकारियों के लिए ज्ञान विनिमय और क्षमता निर्माण का मंच बनेगी, बल्कि यह साहिबगंज जिले के सभी प्रखंडों में शासन की पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने का आधार भी सिद्ध होगी।अंतिम दिवस पर जिला स्तर की कार्ययोजना तैयार की जाएगी, जिसमें प्रखंड और ग्राम स्तर पर कार्यान्वयन की स्पष्ट रूपरेखा सम्मिलित होगी। इस कार्ययोजना के आधार पर आगामी महीनों में प्रखंड अभिमुखीकरण एवं ग्राम कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि विकसित भारत 2047 का संकल्प वास्तविकता में बदलकर जिले के आदिवासी समुदायों तक पहुँचे।

आदि कर्म योगी अभियान के तहत तीन दिवसीय कार्यशाला का दूसरा दिन उत्साहपूर्वक सम्पन्न

संवाददाता

दुमकाः आदि कर्म योगी अभियान के अंतर्गत दुमका जिला में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का दूसरा दिन शुक्रवार को उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। यह कार्यशाला 28 अगस्त से 30 अगस्त 2025 तक चल रही है। कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के जनजातिय कार्य मंत्रालय के उप सचिव नरेश कुमार ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यशाला की गुणवत्ता पर चर्चा की तथा आदि कर्म योगी अभियान से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की। इस अवसर पर जिला कल्याण पदाधिकारी गौतम कुमार मोदी एवं जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर पवन

कुमार पांडेय सहित सभी मास्टर ट्रेनर एवं प्रदान और प्रवाह के प्रतिनिधि, साथ ही प्रखंड स्तरीय विभिन्न विभागों के कर्मियों ने भी प्रशिक्षण में भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। आदि कर्म योगी अभियान का उद्देश्य प्रतिभागियों को जागरूक, प्रशिक्षित एवं सशक्त बनाना है, ताकि ग्राम स्तर तक इसके सकारात्मक परिणाम पहुँच सकें।

मौके पर सुधाकर केशरी, रौनक डॉन, रौशन कुमार, मनीष कुमार, टीना कुमारी, अजमल कुमार आदि उपस्थित थे।

मुख्य नाला के ऊपर क्षतिग्रस्त पुल बनाने को लेकर उपायुक्त को सौंपा मांग पत्र

संवाददाता

साहिबगंजःभाजपा नगर अध्यक्ष संजय पटेल के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल साहिबगंज नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी से मिलकर संत जेवियर स्कूल से पहले मुख्य नाला के ऊपर क्षतिग्रस्त पुल को नए सिरे से बनाने को लेकर मांग पत्र सौपा।मांग पत्र की प्रतिलिपि साहिबगंज उपायुक्त को भी दिया गया.इस इस संबंध में नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष रामानंद साह ने बताया कि साहिबगंज नगर क्षेत्र के संत जेवियर स्कूल रोड स्थित मुख्य नाला के ऊपर एक पुराना पुल है जो काफी क्षतिग्रस्त हो चुका है.ज्ञात हो की इस पुल के ऊपर से रोज सैकड़ो वाहन के साथ-साथ शहर के दो प्रमुख स्कूल संत जेवियर्स तथा प्रोविडेंट

स्कूल के बच्चों के साथ साथ कई नगर वासी का आवागमन इसी पुल के माध्यम से होता है.उन्होंने कहा की विगत कई माह से पुल के दोनों किनारे में मिट्टी का कटाव हो रहा है। पुल काफी क्षतिग्रस्त हो गया है कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है.श्री साह ने कि इस पुल का निर्माण के लिए जल्द से जल्द टेंडर प्रक्रिया करने तथा तत्काल सुरक्षा के दृष्टिकोण से वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की।वही नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने जल्द से जल्द समस्या दूर करने की बात कही.मौके पर भाजपा नगर

अनुशासन और व्यक्तिव निर्माण में स्पोर्टस की भूमिका महत्वपूर्ण : उपायुक्त

संवाददाता

देवघरः पर्यटन कला, संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शुक्रवार को आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा सर्वप्रथम मेजर ध्यानचंद की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करने के पश्चात दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया और बेहतर भविष्य को लेकर सभी को शुभकामनाएं दी। साथ ही उपायुक्त ने आदर्श विद्यार्थी के रूप में व्यक्तित्व का विकास, कम्युनिकेशन स्कील और स्पोर्ट्स के प्रति झुकाव के साथ सोशल मीडिया के सही इस्तेमाल और

नुकसान से बच्चों को अवगत कराया। वहीं प्रतियोगिता के दौरान बच्चों द्वारा बैडमिंटन खेल के माध्यम से अपना प्रदर्शन से सभी को अभिभूत किया। उपायुक्त ने आदर्श विद्यार्थी के रूप में व्यक्तित्व का विकास, कम्युनिकेशन स्कील और स्पोर्ट्स के प्रति झुकाव के साथ सोशल मीडिया के सही इस्तेमाल और नुकसान से बच्चों को कराया गया अवगत कराया। इसके अलावा उपायुक्त श्री लकड़ा ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सभी को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे जीवन में खेलों का बड़ा महत्व होता है। मनुष्य के स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं। खेलों के जरिए तनाव को आसानी से दूर किया जा सकता है। दुनियाभर में अलग-अलग तारीख को खेल दिवस मनाया जाता है। भारत में हर साल 29 अगस्त को हॉकी के जादुगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर नेशनल स्पोर्ट्स डे (राष्ट्रीय खेल दिवस) मनाया जाता है। आगे उपायुक्त ने खिलाड़ियो को खेल भावना के साथ-साथ अनुशासित तरीके से खेलते हुए एक उदाहरण पेश करने की बात कही। साथ हीं उपायुक्त ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सभी खिलाड़ियों को अपने खेल में बेहतर प्रर्दशन करने को लेकर बधाई व शुभकामनाएं दी। इसके अतिरिक्त उपायुक्त व उप विकास आयुक्त ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों, प्रशिक्षकों और पुरिस्कृत किया। इसके अतिरिक्त इनडोर स्टेडियम में आयोजित ब्लड डोनेशन कैम्प में रक्तदाताओं को पुरिस्कृत करते हुए रक्तदान हेतु सभी को प्रेरित और जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी बच्चों को शुभकामना दी। साथ ही उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियों से जहां बच्चे एक दूसरे का सम्मान करना सीखते हैं बल्कि शारीरिक व मानसिक तौर पर भी मजबूत बनते हैं। आज शिक्षा के साथ-साथ खेलों का महत्व भी बढ़ा है तथा खेलों के माध्यम से भी बच्चे अपना बेहतरीन भविष्य बना रहे हैं।

कार्यक्रम में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार, कार्यपालक दंडाधिकारी ओम प्रियदर्शी, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी श्री रोहित कुमार विद्यार्थी, खेल प्राधिकरण के सदस्य, प्रशिक्षक व संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी व अन्य उपस्थित थे।

स्वर्ण व्यवसायी से लूट

संवाददाता

साहिबगंजः जिले में इन दिनों अपराधियों के हौसला इस कदर बुलंद हो चुके है कि दिनदहाड़े खुलेआम स्वर्ण व्यवसाई मालिक को निशाना बनाया जा रहा है।जहां जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मदनशाही रोड में होंडा शोरूम और पेट्रोल पंप के बीच रास्ते में दोपहर साढ़े तीन बजे दो बाईक पर सवार अज्ञात अपराधियों ने एक स्वर्ण व्यवसाई मालिक के साथ लूट की बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए मौके पर से फरार हो गए। उधर दिनदहाड़े खुलेआम इस प्रकार की छिनतई की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार राजमहल थाना क्षेत्र के मसकलैया गांव निवासी इंद्रजीत कुमार स्वर्णकार, जो ज्वेलरी दुकान चलाते हैं गुरुवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे साहिबगंज बाजार से 520 ग्राम चांदी के आभूषण की सफाई और नए गहनों की खरीददारी कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। उधर जैसे ही वे मदनशाही पेट्रोल पंप से करीब 50 मीटर पीछे पहुंचे ही थे कि दो बाइकों पर सवार पांच अज्ञात अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और उसके साथ छिनतई की घटना को अंजाम देने के बाद मौके पर से फरार हो गए। आगे पीड़ित इंद्रजीत ने बताया कि अपराधियों ने उनका बाइक गिरा दिया जहां तीन लोगों ने उनका गला दबाकर और हाथ पकड़कर जकड़ लिया, जबकि बाकी दो ने उनके पॉकेट में रखे करीब 70 हजार रुपए मूल्य के चांदी और गहनों को छीन लिया। आगे उन्होंने बताया कि लूटपाट के दौरान आसपास कई मजदूर मौजूद थे, लेकिन मदद की पुकार के बावजूद कोई आगे नहीं आया। जहां किसी तरह धक्का मुक्की कर सभी अज्ञात अपराधी मौके से फरार हो गए और उसके बाद पीड़ित ज्वेलर्स दुकान मालिक सीधे जिरवाबाड़ी थाना पहुंचे।

सिविल सर्जन और डीएस दिवेश कुमार के साथ सदर अस्पताल की निरीक्षण

साहिबगंजःसदर अस्पताल में लगाए जाने वाले आधुनिक उपकरण डीआर एक्स-रे मशीन व सीटी स्कैन मशीन लगाने को लेकर अलग से बिजली की व्यवस्था की जा रही है। जिसको लेकर कार्यपालक बिजली अभियंता एग्जीक्यूटिव इंजीनियर निरीक्षण के लिए सदर अस्पताल पहुंचे।जहां कार्यपालक अभियंता ने सिविल सर्जन रामदेव पासवान और डीएस दिवेश कुमार के साथ सदर अस्पताल का निरीक्षण किया।इसी दौरान सिविल सर्जन ने लगाए जाने वाले नए उपकरण के विषय में कार्यपालक अभियंता को पूरी जानकारी मुहैया कराई।बताया जा रहा है कि इन सभी मशीनों में बड़े पैमाने पर बिजली की खपत होगी इसके लिए अलग से ट्रांसफार्मर लगाने की व्यवस्था की जा रही है।

राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात संवर्द्धन एवं जेम पर आयोजित संगोष्ठी संपन्न

संवाददाता

दुमका : भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय, शाखा एमएसएमई-विकास कार्यालय, धनबाद द्वारा खरीद एवं विपणन सहायता योजना के तहत एक दिवसीय निर्यात संवर्द्धन एवं जेम पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी (नेशनल सेमिनार) का आयोजन शुक्रवार को इंडोर स्टेडियम दुमका में किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय द्वारा एमएसएमई इकाईयों को निर्यात संवर्द्धन, जेम नए बाजार सृजन, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में नवीनतम चलन,निर्यात की प्रक्रिया, निर्यात संबंधित दस्तावेजीकरण जेम रजिस्ट्रेशन प्रोसेस और डॉक्यूमेंशन इत्यादि के बारे में वृहद रुप से जानकारी देना एवं जागरुक करना है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अभिजीत सिन्हा, भा.प्रा.से., उपायुक्त, दुमका द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एवं सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम के संयोजक दीपक कुमार, कए.ऊर सहायक निदेशक प्रभारी, शाखा-एमएसएमई-विकास कार्यालय, धनबाद द्वारा किया गया। इंद्रजीत यादव,आई.ई.डी.एस.,संयुक्त निदेशक एवं कार्यालय प्रमुख,एमएसएमई-विकास कार्यालय, राँची ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं

रूपरेखा से अवगत कराया तथा सभी प्रतिभागी उद्यमियों से इस संगोष्ठी में शामिल हो रहे डाक घर निर्यात केंद्र, दुमका एवं फियो के अधिकारियों से निर्यात की प्रक्रिया एवं दस्तावेजीकरण संबंधित अनुभव का लाभ लेने की अपील की जिससे वे अपने उत्पादों का निर्यात विदेशों में कर सकें एवं अपने उद्यमों का विकास सुनिश्चित कर सकें। साथ ही उन्होंने विशेषकर जेम के विशेषज्ञों को ज्यादा ध्यान देकर सुनने एवं सीखने की बात कही जिससे वे सरकारी खरीद के ज्यादा से ज्यादा हिस्से के आपूर्तिकर्ता बन सके। विशिष्ट अतिथि नरेश बारा, असिस्टेंट डाक अधीक्षक, दुमका सर्कल ने डाक घर निर्यात केंद्र की गतिविधियों एवं निर्यात को बढ़ाने में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया। उन्होंने इस स्तर के कार्यक्रमों के आयोजन को वर्तमान समय में निर्यात संवर्द्धन हेतु अत्यंत आवश्यक बताया। विशिष्ट अतिथि आशुतोष कुमार सिंह, अग्रणी जिला प्रबंधक, इंडियन बैंक ने बैंक द्वारा एमएसएमी उद्यमियों को दी जा रही ऋण सुविधाओं की जानकारी दिया। दास कुमार एक्का, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, दुमका ने सभी उद्यमियों को झारखंड सरकार द्वारा एमएसएमई उद्यमियों के विकास के लिए उपलब्ध योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। के एन सिंह, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती एवं मनोज कुमार घोष, महासचिव, एफ.सी.सी.आई, दुमका ने अपने वक्तव्य में कहा कि झारखंड में निर्यात की प्रचुर संभावना है, इस सेमिनार से झारखंड के उद्यमियों को बहुत लाभ होगा।उन्होंने सेमिनार में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को इस संगोष्ठी में आए विशेषज्ञों के ज्ञान का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया तथा आशा किया कि इससे दुमका जिले के उद्योगों का विकास होगा जो सामुहिक रूप से झारखंड एवं देश के समग्र विकास में सहयोग करेगा। मुख्य अतिथि उपायुक्त, दुमका अभिजीत सिन्हा, भा.प्रा.से ने कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अपने अभिभाषण में कहा कि इस तरह के कार्यक्रम उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए समय की मांग है। इससे सभी वर्ग के एमएसएमई उद्यमियों को व्यापार जगत में आ रहे बदलाव की अद्यतन जानकारी प्राप्त हो सकेगी तथा वे अपने उत्पादों को निर्यात के माध्यम से ?ए विदेशी बाजारों तक पहुंचा कर अपने उद्यमों का बेहतर विकास कर सकेंगे। उन्होंने सभी एमएसएमई प्रतिभागियों को झारखंड सरकार की तरफ से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी बताया कि झारखंड सरकार की तरफ से शीघ्र ही नई एमएसएमई पॉलिसी लाई जा रही है। इस प्रकार के संगोष्ठी के आयोजन के लिए भारत सरकार के शाखा एमएसएमई- विकास कार्यालय,धनबाद को बधाई दी। सुजीत कुमार, कए.ऊर सहायक निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय, धनबाद ने कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की समाप्ति पर सभा में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।तत्पश्चात तकनीकी सत्र में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन 'फियो' पूर्वी क्षेत्र कार्यालय, कोलकाता से आए विशेषज्ञ रिचर्ड सरकार, मैनेजमेंट एक्जीक्यूटीव ने अपना अनुभव एवं कौशल सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमियों के साथ साझा किया।उन्होंने प्रतिभागी उद्यमियों को निर्यात संवर्द्धन, निर्यात की प्रक्रिया, निर्यात संबंधित दस्तावेजीकरण इत्यादि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।डाक घर निर्यात केंद्र, दुमका सर्कल के अधिकारियों एवं जेम के झारखंड राज्य के फेसिलिटेटर, सुबोध कान्त ने अपना अनुभव एवं कौशल सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमियों के साथ साझा किया एवं जेम पोर्टल पर पंजीकरण के बारे में विस्तृत चर्चा किया।एमएसएमई झ विकास कार्यालय, रांची से आए गौरव, सहायक निदेशक ने प्रतिभागियों को पीएमएस स्कीम एवं पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी के बारे में विस्तार से पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से समझाया। इस संगोष्ठी में झारखंड राज्य के उद्योग संघों, चैम्बर्स एवं दुमका जिले एवं आसपास के जिलों के लगभग 150 से ज्यादा प्रतिभागी उद्यमियोंने विशेषज्ञ अधिकारियों से सीधे वार्तालाप करके अपनी शंकाओं का समाधान किया तथा निर्यात संवर्द्धन एवं जेम से संबंधित जानकारी को प्राप्त किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंजः राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर साहिबगंज के सिद्धो कान्हो स्टेडियम में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती ने प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जिला खेल पदाधिकारी पंकज कुमार सहित कई खिलाड़ी, शिक्षक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।उद्घाटन के दौरान उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाया जाता है। यह दिन युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने का एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम है, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक सोच को भी प्रोत्साहित करता है। जिला प्रशासन की ओर से खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग दिया जाएगा ताकि वे राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन कर सकें। जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष ने कहा कि विद्यालय स्तर पर बच्चों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। इसी से भविष्य में बेहतर खिलाड़ी तैयार होंगे। वहीं, जिला खेल पदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में हॉकी, कुश्ती, कबड्डी, एथलेटिक्स सहित कई विधाओं में मुकाबले होंगे। उन्होंने कहा कि चयनित खिलाड़ियों को आगे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भेजा जाएगा।मौके पर उपस्थित खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित इस आयोजन को बेहद प्रेरणादायी बताया।

अक्षय ने अनाउंस की नई फिल्म हैवान

18 साल बाद इस एक्टर संग करेंगे काम

बॉलीवुड इंडस्ट्री के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार को लेकर कहा जाता है कि उनकी साल में सबसे ज्यादा फिल्में आती हैं. उनकी एक फिल्म सिनेमाघरों में आती है तो दूसरी की रिलीज डेट सामने आ जाती है तो अगली मूवी का अनाउंसमेंट हो जाता है. फिलहाल, अक्षय कुमार ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है और इसका नाम हैवान होगा. प्रियदर्शन के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म में वह बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान के साथ काम करते नजर आएंगे. अक्षय कुमार ने बताया है कि वह सैफ अली खान के साथ 18 साल बाद स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं. अक्षय कुमार ने शनिवार यानी 23 अगस्त को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है. इसमें आप देख सकते हैं कि उनके साथ डायरेक्टर प्रियदर्शन और सैफ अली खान के अलावा कुछ और लोग नजर आ रहे हैं. ये सभी एक-दूसरे के साथ मस्ती करते दिखाई दे रहे हैं. वहीं, अक्षय कुमार के हाथ में फिल्म हैवान का क्लैपबोर्ड दिखाई दे रहा है. उन्होंने इस पोस्ट में बताया है कि नई फिल्म की शूटिंग शूरू कर दी है. अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा है, हम सब ही हैं थोड़े से शैतान... कोई से संत, कोई अंदर से हैवान. आज अपने सबसे पसंदीदा डायरेक्टर प्रियदर्शन सर के साथ हैवान की शूटिंग शुरू कर रहा हूं. करीब 18 साल बाद सैफ के साथ काम करना बहुत अच्छा लग रहा है. चलिए हैवानियत की शुरुआत करते हैं. अक्षय कुमार की इस पोस्ट के बाद फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं.

● अक्षय और सैफ अली ने इन फिल्मों में किया काम

गौरतलब है कि अक्षय कुमार और सैफ अली खान ने साथ में मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, तू चोर मैं सिपाही, ये दिल्लगी, आरजू, कीमत, टशन जैसी फिल्मों में काम किया है. दोनों स्टार्स की इन फिल्मों को काफी पसंद किया गया है. अब एक बार फिर फैंस अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी को फिल्म हैवान में देखने के लिए उत्सुक हैं. ऐसी ही एंटरटेनमेंट की लेटेस्ट खबरों के लिए बॉलीवुडलाइफ के साथ बने रहिए.

एक चतुर नार ट्रेलर के रिलीज डेट से दिव्या खोसला ने उठाया पर्दा

दिव्या खोसला अपनी आने वाली फिल्म एक चतुर नार को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने फिल्म का एक और पोस्टर रविवार को सोशल मीडिया पर जारी किया। साथ ही अपनी पोस्ट में फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट का भी खुलासा किया, जिसने फैन्स की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। इसमें अभिनेता नील नितिन मुकेश और दिव्या खोसला आमने-सामने खड़े नजर आ रहे हैं। दोनों के बीच एक टकराव की स्थिति दिखाई गई है। एक तरफ नील ने दिव्या के सिर पर पिस्तौल तानी हुई है, तो वहीं दिव्या के हाथ में मोबाइल फोन नजर आ रहा है। फोन की स्क्रीन पर बड़ा सा रुपये का चिन्ह नजर आ रहा है, जो इस ओर इशारा करता है कि फिल्म की कहानी में पैसे का लालच, चालाकी और शायद धोखाधड़ी जैसी चीजें शामिल होंगी। पोस्टर को देख अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में दोनों किरदारों के बीच नजदीकी और तनाव एक साथ देखने को मिलेगा। पोस्टर पर एक दिलचस्प टैगलाइन भी लिखी गई है, होशियारी शुरू... इस टैगलाइन से साफ है कि फिल्म में दिमागी चालें, धोखे और अप्रत्याशित मोड़ देखने को मिल सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह फिल्म कॉमेडी और थ्रिलर का मिश्रण होगी। पोस्टर का बैकग्राउंड लाल-नारंगी रंगों से भरा हुआ है, जो गहराई, ड्रामा और सस्पेंस का एहसास कराता है। पोस्टर के एक कोने में 500 के नोट की भी झलक है, जो फिल्म की थीम में पैसा और चालबाजी को स्पष्ट करता है। दिव्या खोसला ने अपने इंस्टाग्राम कैप्शन में लिखा, कल, हर नजर रुकेगी... और रुकेगी सिर्फ चतुर पे! एक चतुर नार ट्रेलर का प्रीमियर कल होगा। होशियारी शुरू 12 सितंबर से सिनेमाघरों में।

बिग बॉस 19 के लिए सलमान को मिली कम फीस!

बिग बॉस 19 की रिलीज का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। फैंस सलमान खान को ओटीटी और टेलीविजन स्क्रीन पर देखने के लिए उतावले होकर इंतजार कर रहे थे जो अब पूरा हो गया है। हालांकि सलमान खान शो में वापसी कर रहे हैं, लेकिन बिग बॉस 19 में उनकी भागीदारी को लेकर एक छोटी सी अपडेट सामने आई है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि सलमान खान केवल 15 हफ्तों के लिए 19वें सीजन की होस्टिंग करेंगे और उम्मीद है कि दूसरे होस्ट उनकी जगह लेंगे। हालांकि, इस सीजन के लिए सलमान की फीस चर्चा का विषय बनी हुई है। सलमान खान बिग बॉस 19 को होस्ट करने के लिए हर वीकेंड 10 करोड़ रुपये चार्ज कर रहे हैं। यह सबको पता है कि सलमान टेलीविजन पर सबसे अधिक कमाई करने वाले व्यक्ति हैं, जिन्होंने पिछले हर सीजन में 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। लेकिन हालिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि सलमान खान ने इस सीजन में अपने वेतन में कटौती की है।

खुशी मुखर्जी के

25 लाख के गहने हुए चोरी नौकरानी पर जताया शक

टीवी की दुनिया से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री खुशी मुखर्जी इन दिनों एक बड़ी मुसीबत का सामना कर रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री के घर से करीब 25 लाख रुपये के गहने चोरी हो गए। शुरुआती जांच में शक उनके ही घर में काम करने वाली नौकरानी पर जताया जा रहा है, जो घटना के बाद से फरार बताई जा रही है।

खुशी को नौकरानी पर शक

खुशी ने इस घटना के बाद अपने दर्द को साझा करते हुए कहा कि सबसे ज्यादा दुखद यह है कि जिसने उनके घर का विश्वास जीता, वही उनके साथ गद्दारी कर गया। उनके मुताबिक गहनों की कीमत से ज्यादा, यह उनकी सुरक्षा और विश्वास की चोरी है। अभिनेत्री अब इस मामले को लेकर पुलिस में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया में हैं और सख्त कानूनी कदम उठाने के लिए तैयार हैं।

पुलिस जांच और आगे की कार्यवाही

इस चोरी के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, नौकरानी की तलाश की जा रही है और जल्द ही सच्चाई सामने आने की उम्मीद है। अभिनेत्री चाहती हैं कि अपराधी को कड़ी सज़ा मिले ताकि भविष्य में कोई और इस तरह की हरकत करने से पहले सौ बार सोचे।

28 वर्षीय खुशी मुखर्जी का सफर बेहद दिलचस्प रहा है। उन्होंने अपना अभिनय करियर साल 2013 में तमिल फिल्म 'अंजल थुरई' से शुरू किया। इसके बाद वह तेलुगु फिल्मों 'डोंगा प्रेमा' और 'हार्ट अटैक' में नजर आईं। हिंदी दर्शकों ने उन्हें फिल्म 'श्रृंगार' में देखा।

फिल्मों के साथ-साथ खुशी ने टीवी और रियलिटी शोज में भी अपना दमखम दिखाया। उन्होंने एमटीवी के चर्चित शो 'स्प्लिट्सविला 10' और 'लव स्कूल 3' में भाग लेकर युवाओं के बीच अपनी पहचान बनाई। उनकी बोल्ड शख्सियत और स्पष्टवादी रवैया उन्हें सुर्खियों में रखता रहा।

टीवी में भी कर चुकी हैं अभिनय

टीवी की दुनिया में भी उन्होंने अहम किरदार निभाए। सब टीवी के शो 'बालवीर रिटर्न्स' में वह ज्वाला परी के रूप में दिखीं, जबकि धार्मिक धारावाहिक 'कहत हनुमान जय श्रीराम' में भी नजर आईं। हाल ही में वह कॉमेडियन और रियलिटी स्टार मुनव्वर फारूकी के होस्ट किए गए शो 'द सोसाइटी' में दिखाई दीं।

सनी देओल ने की शाहरुख खान के बेटे आर्यन की तारीफ, बोले- बेटा चक दे फट्टे

बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' बहुत जल्द नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। इसका पहला गाना बदली सी हवा रिलीज हो चुका है, जिसकी क्लिप शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर साझा की, तो सनी देओल ने भी सीरीज का ट्रेलर शेयर कर आर्यन को फट्टे चकने की सलाह दी! देओल की प्रशंसा उन अफवाहों पर विराम लगाती है जो शाहरुख खान और सनी देओल को लेकर खूब उड़ी थीं। सनी देओल ने सीरीज का ट्रेलर शेयर करते हुए आर्यन की जमकर तारीफ भी की है। गदर स्टार सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, प्यारे आर्यन खान, आपका शो बहुत ही शानदार है। बॉबी देओल की भी खूब तारीफ हुई, आपके पिता को आप पर बहुत नाज होगा। आप सभी को शुभकामनाएं, बेटा, चक दे फट्टे। बैड्स ऑफ बॉलीवुड में फिल्म इंडस्ट्री पर व्यंग्य किया गया है। बताया जा रहा है कि इस सीरीज में फिल्म इंडस्ट्री की चमक-दमक, ग्लैमर और गपशप को लोगों के सामने पेश किया जाएगा। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख के बेटे आर्यन खान ने इस सीरीज को लिखा भी है। सीरीज में बॉबी देओल, लक्ष्य, सहर बांबा, मनोज पाहवा, मोना सिंह, मनीष चौधरी, राघव जुएल, और गौतमी कपूर जैसे सितारे हैं। शो फिल्म इंडस्ट्री की स्याह हकीकत से दुनिया को रूबरू कराएगा। सीरीज में बॉबी देओल एक बड़े स्टार का रोल प्ले करते दिखेंगे। इसमें शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, करण जौहर और कई अन्य कलाकारों के भी कैमियो होंगे। कुछ दिनों पहले इसका प्रीव्यू मुंबई में एक भव्य इवेंट में लॉन्च किया गया था। इसके लिए शाहरुख खान होस्ट बने थे। यहां पर आर्यन खान ने इस सीरीज को प्रोड्यूस करने के लिए अपनी मां गौरी खान का आभार जताया था। इस शो से आर्यन खान की कथित गर्लफ्रेंड लारिसा बोनेसी भी डेब्यू करने जा रही हैं। मेकर्स का दावा है कि ये धमाकेदार सीरीज 18 सितंबर को रिलीज होगी।

डायमंड लीग फाइनल 2025 : दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा, जूलियन वेबर ने जीता खिताब

ज्यूरिख : दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को डायमंड लीग फाइनल 2025 में लगातार तीसरी बार उपविजेता स्थान से संतोष करना पड़ा। जर्मनी के जूलियन वेबर ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए दो 90 मीटर से अधिक के थ्रो के दम पर अपना पहला खिताब जीत लिया। नीरज ने शुरूआती थ्रो में 84.35 मीटर फेंककर तीसरे स्थान पर शुरूआत की थी। पांचवें राउंड तक वह तीसरे स्थान पर थे, लेकिन आखिरी प्रयास में 85.01 मीटर की थ्रो के साथ उन्होंने ट्रिनिडाड और टोबैगो के 2012 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता केशोर्न वालकॉट (84.95 मीटर) को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया।वेबर ने दूसरे प्रयास में सीजन का सर्वश्रेष्ठ 91.57 मीटर का थ्रो किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ भी रहा। उन्होंने पहले प्रयास में 91.37 मीटर की दूरी तय की थी। इसके बाद 83.66 मीटर, 86.45 मीटर और 88.66 मीटर के थ्रो दर्ज किए। पूरे मुकाबले में वेबर का दबदबा इतना था कि उनके नजदीक भी कोई अन्य प्रतिद्वंद्वी नहीं पहुंच सका। भारतीय स्टार नीरज इस बार अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखे। छह प्रयासों में से केवल तीन ही मान्य रहे और वह महज 85 मीटर तक ही पहुंच पाए। लगातार 88 मीटर से ऊपर थ्रो करने के लिए मशहूर नीरज के लिए यह एक दुर्लभ मौका रहा, जब वह अपनी लय में नजर नहीं आए। नीरज ने 2022 में डायमंड लीग ट्रॉफी जीती थी, लेकिन 2023 और 2024 की तरह इस बार भी उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अब वह अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में खिताब बचाने के इरादे से उतरेंगे।

नीरज चोपड़ा

को डायमंड लीग फाइनल 2025 में लगातार तीसरी बार उपविजेता

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे सात्विक : चिराग

एजेंसी

पेरिस : भारत की पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता और विश्व नंबर-6 जोड़ी लियांग वेई कंग तथा वांग चांग को 19-21, 21-15, 21-17 से हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। निर्णायक गेम में सात्विक-चिराग 15-17 से पिछड़ रहे थे, लेकिन इसके बाद लगातार छह अंक हासिल कर मुकाबला अपने नाम किया। यह इस चीनी जोड़ी के खिलाफ नौ मुकाबलों में केवल तीसरी जीत है। अब भारतीय जोड़ी का सामना क्वार्टर फाइनल में विश्व नंबर-2 मलेशियाई जोड़ी आरोन चिया और सोह वू यिक से होगा। इससे पहले, गुरुवार को पी.वी. सिंधु और मिश्रित युगल की जोड़ी तनीषा क्रास्टो व ध्रुव कपिला ने भी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

बलरामपुर : जिले में सर्पदंश के मामले में 5 पीड़ितों की मौत

406 लोगों का हुआ उपचार, 23 गंभीर पीड़ितों को किया गया रेफर

एजेंसी

बलरामपुर : छत्तीसगढ़ का बलरामपुर जिला चारों तरफ से पहाड़ी क्षेत्रो से घिरा हुआ है। जंगली जानवरों के साथ-साथ विषैले सांपो का भी यहा बसेरा है। हर साल सर्पदंश से कई लोगों की जान जाती है। कई तो झाड़ फूंक के चक्कर में आकर अस्पताल पहुंचने में लेट कर देते है जिससे लेट उनकी जान चली जाती है। कभी बारिश तो कभी धूप होने से बलरामपुर जिले में रेंगती मौत का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार अनुसार, अप्रेल से जुलाई माह तक सर्पदंश के शिकार होकर 436 पीड़ित जिला अस्पताल पहुंचे। इसमें से 5 पीड़ितों की उपचार के दौरान मौत भी हो गई। उल्लेखनीय

है कि, कभी धूप तो कभी बारिश होने के कारण मौसम में उमस होने से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में रेंगती मौत का खतरा बढ़ गया है। आए दिन एक-दो लोग सर्पदंश के शिकार हो रहे हैं। हालांकि लोगों में जागरूकता होने के कारण तत्काल अस्पताल पहुंचने से ज्यादातर लोगों की जान बच जा रही हैं। जिन मरीजों को अस्पताल पहुंचने में देर हो रही है उन्हीं की मौत हो रही है। आकड़ों के अनुसार, अप्रैल माह से ही सर्पदंश के मामले शुरू हो जाते हैं। इसे देखते हुए जिले के अस्पतालों में एंटी स्नैक बाइट भी उपलब्ध करा दिया जाता है, ताकि मरीजों का तत्काल उपचार हो सके।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

इस संबंध में जिले के रामानुजगंज सौ बिस्तर अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी साकिंदर गुप्ता ने बताया कि, यह समय सर्पों के बिलों से बाहर निकलने का अनुकूल मौसम बन रहा है, क्योंकि ज्यादा बारिश होने से बिलों में पानी भरने से सर्प बाहर निकल रहे हैं। आने वाले माह में बारिश थमते ही उमस बढेगा, जिसके बाद भी सर्प बाहर निकलेंगे। इससे लोगों को घांस-फूस व जंगली क्षेत्रों में जाने से बचना चाहिए। साथ ही खेत-खलिहान व घरों में जमीन पर बैठने व सोने से बचने की जरूरत है। इस समय जितने भी सर्पदंश के मामले आ रहे हैं उसमें ज्यादतर जमीन पर सोने वाले ही है।

सर्पदंश से पीड़ितो की खंडवार जानकारीजिला कार्यालय से मिली रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रेल से जुलाई के मध्य बलरामपुर विकासखंड में सर्पदंश से 142 लोग पीड़ित हुए। इनमें 8 को रेफर किया गया और 2 लोगों की मौत हो गई। कुसमी ब्लाक में 22 जख्मी हुए एवं 3 को रेफर किया गया। राजपुर विकासखंड में 14 पीड़ित हुए जिसमें 1 व्यक्ति की मौत हुई। रामानुजगंज में 61 व्यक्ति शिकार और 1 की मौत हो गई। शंकरगढ़ में 32 लोगों को सांपों ने अपना शिकार बनाया और वाड्रफनगर ब्लॉक में 165 लोग पीड़ित 1 की मौत और 12 लोगों को रेफर किया गया।

जिला कार्यालय की रिपोर्ट पर यदि गौर करें अप्रेल से जुलाई माह तक 436 लोगों को सांपों ने अपना शिकार बनाया। इन सारे लोगों का उपचार जिला चिकित्सालय में चला। सर्पदंश से गंभीर रूप से पीड़ित 23 लोगों को अन्य चिकित्सालय में रेफर किया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। जिला चिकित्सालय से 406 सर्पदंश मरीजों को जिला चिकित्सालय मे उपचार कर स्वस्थ्य किया गया और 23 गंभीर रूप से पीड़ित मरीजों को रेफर किया गया।

न्यूज IN ब्रीफ

औरैया में 1000 बोरी नकली डीएपी बरामद, तीन गिरफ्तार

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में नकली खाद का कारोबार करने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। सदर कोतवाली पुलिस व एसओजी टीम ने शुक्रवार देर रात जालौन रोड स्थित एक मकान में छापेमारी कर करीब 1000 बोरी नकली डीएपी खाद बरामद की। मौके से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी एसडीएम औरैया, जिला कृषि अधिकारी शैलेंद्र वर्मा तथा पुलिस बल की मौजूदगी में की गई। जिलाधिकारी इंद्रमणि त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई से खाद माफियाओं में हड़कंप मच गया है। जिला कृषि अधिकारी शैलेंद्र वर्मा ने शनिवार को बताया कि जालौन रोड पर बने एक मकान में नकली डीएपी तैयार कर किसानों को बेचा जा रहा था। मौके से एक लोडर वाहन भी मिला, जिसमें 50 बोरी नकली खाद लदी थी और उसे बाजार में पहुंचाने की तैयारी थी। गिरफ्तार आरोपितों से पुलिस पूछताछ कर रही है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश तेज कर दी गई है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि किसानों को नुकसान पहुंचाने वाली ऐसी अवैध गतिविधियों को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही किसानों से अपील की गई है कि वे खाद केवल प्रमाणित दुकानों से ही खरीदें और रसीद अवश्य लें।

मेघालय के सोनापुर में भीषण भूस्खलन, नेशनल हाइवे-6 बंद

शिलांग : मेघालय के सोनापुर में हुए भीषण भूस्खलन के कारण नेशनल हाइवे-6 पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। शिलचर-शिलांग-गुवाहाटी को जोड़ने वाला यह महत्वपूर्ण मार्ग भारी पत्थर, मलबा और पेड़ गिरने से बंद हो गया है, जिससे यातायात ठप हो गया है। ईस्ट जयंतिया हिल्स जिला प्रशासन ने तुरंत राहत और सड़क को खोलने का कार्य शुरू कर दिया है। जब तक मार्ग पूरी तरह साफ नहीं होता, तब तक वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से चलने की अपील की गई है।

सवारियों को बैठाने को लेकर भिड़े दो पक्ष, बाइकों में लगाई आग

उरई : उरई कोतवाली क्षेत्र के कालपी बस स्टैंड पर शुक्रवार देर रात सवारियों को बैठाने को लेकर दो पक्षों में विवाद छिड़ गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। आरोप है कि विवाद के दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की दो बाइकों में आग लगा दी। अचानक बाइकों से उठता धुआं और लपटें देखकर यात्रियों और राहगीरों में भगदड़ मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही उरई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह दोनों पक्षों को अलग कर भीड़ को वहां से हटाया। इस दौरान फायर बिग्रेड की टीम ने धधक रही बाइकों पर पानी डालकर आग पर काबू पाया। घटनास्थल पर एहतियातन अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है ताकि दोबारा कोई अप्रिय घटना न हो सके। पुलिस ने दोनों पक्षों के लोगों की पहचान शुरू कर दी है। अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा ने बताया कि रात्रि शताब्दी ट्रेवल्स पर दो पक्षों में मारपीट करने और दो बाईकों में आग लगाने की घटना सामने आई है। पुलिस को मौके पर भेजकर घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। तहरीर लेकर मामला पंजीकृत किया जा रहा है और जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अंतरजनपदीय लूट, स्नैचिंग का आरोपित जोगिन्दर मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद : उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, बागपत, मेरठ समेत कई जिलों में लूट, स्नैचिंग, चोरी की वारदात करने वाला कुख्यात बदमाश जोगिन्दर बली को साथी सहित शालीमार गार्डन पुलिस ने शुक्रवार की रात में मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की ओर से चली गोली से जोगिन्दर घायल हो गया। उसके कब्जे से कब्जे से एक पिस्टल, 4 जिन्दा कारतूस, एक खोखा कारतूस व 1 तमंचा, 1 खोखा कारतूस, 1 जिंदा कारतूस व 1 मोटर साइकिल बरामद हुए हैं। एसीपी अतुल कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि थाना शालीमार गार्डन पुलिस अपराधिक घटनाओं के दृष्टिगत क्षेत्र में डीएवी कट पर चेकिंग कर रही थी। तभी मोटर साइकिल पर दो व्यक्ति सवार लोहिया पार्क की तरफ से आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने टार्च की रोशनी से चेकिंग के लिए रोकने का प्रयास किया तो दोनों ने मोटर साइकिल को बीएसएनएल ऑफिस वाली गली की ओर मोड़ दिया। शक के आधार पर उनका पीछा किया, तो बदमाशों की बाइक गली में कूड़े के ढेर के आगे फिसल गई और फायरिंग शुरू कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और घायल हो गया, जबकि दूसरे बदमाश को पकड़ लिया गया। उसने अपना नाम कल्लू उर्फ कृष्ण निवासी ग्राम शरीफावाबाद राजपुर बताया। जबकि घायल बदमाश जोगिन्दर ग्राम बली तहसील बागपत का रहने वाला है। जोगिन्दर पर गाजियाबाद, बागपत व विभिन्न जिलों में लूट, स्नैचिंग, चोरी आदि से सम्बन्धित 30 से अधिक व कल्लू उर्फ कृष्ण पर 2 अभियोग पंजीकृत हैं।

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पाँचवें दिन भी बंद रहने के कारण पर्यटकों और यात्रियों के लिए की गई विशेष ट्रेन की व्यवस्था

श्रीनगर : जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सहित प्रमुख सड़कें लगातार पाँचवें दिन भी बंद रहने के कारण रेलवे अधिकारियों ने शनिवार को जम्मू में देश के अन्य हिस्सों से फसे पर्यटकों और यात्रियों की आवाजाही सुगम बनाने के लिए एक विशेष ट्रेन की व्यवस्था की है। एक अधिकारी ने बताया कि पहली विशेष ट्रेन जम्मू से डीएडीएन (महू) तक चलेगी जो लुधियाना, नई दिल्ली, ग्वालियर और भोपाल में रुकेगी। अधिकारी ने बताया कि इस ट्रेन में फर्स्ट एसी का एक कोच, सेकंड एसी के दो कोच, थर्ड एसी के चार कोच, थर्ड एसी इकोनॉमी के दो कोच, स्लीपर क्लास के छह कोच और जनरल क्लास के चार कोच होंगे। अधिकारी ने यह भी बताया कि ट्रेन आज दोपहर 3:00 बजे जम्मू से रवाना होगी। उल्लेखनीय है कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग भारी बारिश के कारण हुए कई भूस्खलनों से हुई व्यापक सड़क क्षति के कारण शनिवार को लगातार पाँचवें दिन भी बंद है। इस महत्वपूर्ण मार्ग को फिर से खोलने के लिए युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य जारी है और कर्मचारियों व मशीनों को तैनात किया गया है।

आसनसोल में किशोरी की लाश बरामद, युवक गिरफ्तार

आसनसोल : शहर के डामरा इलाके से शुक्रवार को एक किशोरी का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। इस मामले में पुलिस ने राकेश पासवान नामक एक युवक को गिरफ्तार किया है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि किशोरी राकेश के बुलाने पर ही घर से बाहर निकली थी। फिलहाल दोनों के संबंधों की जांच की जा रही है। पुलिस ने मृतका की पहचान कर ली है। वह दुर्गापुर के गोपालमठ इलाके की रहने वाली दसवीं कक्षा की छात्रा थी। घर से निकलने के बाद उसका कुछ पता नहीं चल रहा था। शुक्रवार सुबह आसनसोल दक्षिण थाना क्षेत्र के 38 नंबर वार्ड में सात नंबर खोलनमुख खदान के पास पलाशबन इलाके में उसका शव बरामद हुआ। शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों का अनुमान है कि किशोरी के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या की गई और फिर शव को जलाने की कोशिश की गई। कुछ लोगों ने बताया कि शव क्षत-विक्षत अवस्था में था और बेहद नृशंस तरीके से उसकी हत्या की गई है। इलाके में अवैध कोयला और पत्थर की खदानों के कारण अपराधियों की सक्रियता भी लोगों ने एक वजह बताई। पुलिस ने हालांकि मौत के सही कारण पर कुछ भी स्पष्ट नहीं कहा है। आरोपित को पुलिस रिमांड में लेकर पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि शनिवार को होने वाले पोस्टमॉर्टम की प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।\

मप्र में मानसून : 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून इस समय पूरी रफ्तार में है। प्रदेश के कई जिलों में लगातार झमाझम बारिश हो रही है, इसी तारतम्?य में मौसम विभाग ने इंदौर, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग के 19 में से 12 जिलों में शनिवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। आलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में अगले 24 घंटों के भीतर ढाई से साढ़े चार इंच तक बारिश हो सकती है। वहीं, 31 अगस्त को 24 जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। अगले 48 घंटे कई जिलों के लिए चुनौती भरे साबित हो सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में इस सीजन अब तक 36.5 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। सामान्यत: मध्य प्रदेश की औसत बारिश 37 इंच मानी जाती है। ऐसे में आधा इंच पानी गिरते ही इस बार का कोटा भी पूरा हो जाएगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो प्रदेश में इस साल अब तक 98 प्रतिशत बारिश हो चुकी है।

प्रयागराज में घटने लगा गंगा-यमुना का जलस्तर, लोगों को मिल सकती है राहत

एजेंसी

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में उफनाई गंगा-यमुना का जलस्तर अब घटने लगा है। बाढ़ से प्रभावित हुए लोगों को अब राहत मिल सकती है। बीते 24 घंटे के दौरान लगभग 60 सेन्टीमीटर से अधिक जलस्तर कम हुआ है। हालांकि राहत शिविरों में मौजूद लोगों को लंच पैकेट एवं दवाओं का वितरण किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने शनिवार को बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अपदाराहत टीमें लगी हुई है। बाढ़ में फसे लोगों के सहयोग के लिए बोट एवं नावों का संचालन जारी है। हालांकि राहत भरी सूचना है कि गंगा एवं यमुना का जलस्तर कम हो रहा है। प्रयागराज के फाफामऊ में गंगा नदी का जलस्तर 83.71 मीटर पर है। हालांकि यहां बीते 24 घंटे में 71 सेन्टीमीटर

जलस्तर घट गया है। इसी तरह बक्सी बांध के समीप गंगा का जल स्तर घटकर 83.30 मीटर पर पहुंच गया है। यहां लगभग 66 सेन्टीमीटर पानी नीचे गया है। इसी तरह यमुनानदी का जलस्तर घटकर 83.39 मीटर पर पहुंच गया है। बीते 24 घंटे में 61 सेन्टीमीटर जलस्तर कम हुआ है। इसी तरह प्रयागराज से वाराणसी की ओर गंगा के छतनाग घाट के पास जलस्तर कम होकर 82.75 मीटर पर पहुंच गया है। यहां बीते 24 घंटे में 81 सेन्टीमीटर जलस्तर घट गया है। जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने निर्देश दिया है कि जैसे-जैसे जलस्तर कम हो और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की सफाई और दवाओं का छिड़काव किया जाए। जिससे किसी प्रकार की संक्रामक बीमारी फलने की आशंका न रह जाए।

रविवार को बंद रहेगा विद्यासागर सेतु, हावड़ा में कड़े ट्रैफिक नियम लागू

एजेंसी

कोलकाता : रविवार 31 अगस्त को हावड़ा में ट्रैफिक व्यवस्था में बड़े बदलाव किए जाएंगे। दरअसल, विद्यासागर सेतु पर मरम्मत कार्य के कारण सुबह चार बजे से रात नौ बजे तक सेतु पूरी तरह बंद रहेगा। इस दौरान सेतु पर स्टील पोर्टल बीम लगाया जाएगा और केबल व बेयरिंग बदलने का कार्य होगा। हावड़ा सिटी पुलिस ने शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में बताया कि जनहित के लिए यह कदम उठाया गया है। इससे पहले भी 24 अगस्त को इसी तरह का ट्रैफिक कंट्रोल लागू किया गया था। ट्रैफिक डायवर्जन और वैकल्पिक रूट इस प्रकार है ,कोलाघाट और डानकुनी से आने वाले वाहन विद्यासागर सेतु या कोना एक्सप्रेसवे का उपयोग नहीं कर पाएंगे इन्हें धुलागढ़झनिबराझसलप मार्ग होते हुए विवेकानंद सेतु की ओर मोड़ा जाएगा। कोलकाता से

हावड़ा आने वाले वाहन भी द्वितीय हुगली सेतु का उपयोग नहीं कर सकेंगे। इसके लिए हावड़ा ब्रिज या निवेदिता सेतु का इस्तेमाल करना होगा। कोलाघाट की ओर जाने वाली छोटी गाड़ियां काजीपाड़ा, जीटी रोड और अंदुल रोड होते हुए एनएच-16 का रुख कर सकेंगी एवं डानकुनी जाने वाली छोटी गाड़ियां हेंगसांग क्रॉसिंग, आमता रोड और सलप होकर सीसीआर ब्रिजझमैतीपाड़ा जा सकती हैं। इसके अलावा, काजीपाड़ा से बालीझजीरो प्वाइंट होते हुए भी डानकुनी जाया जा सकेगा। सांतरागाछी स्टेशन के लिए वैकल्पिक मार्ग की भी व्यवस्था की गई है,सांतरागाछी स्टेशन जाने वाले वाहनों को भी वैकल्पिक रास्तों से जाना होगा। निबरा की ओर से आने वाली छोटी गाड़ियां जगाचाझमहियारी रोड का उपयोग कर सकेंगी। वहीं, काजीपाड़ा और हेंगसांग क्रॉसिंग से आने वाली गाड़ियों के लिए स्टेशन तक विशेष यातायात व्यवस्था की गई है।

डब्ल्यूबीएसएससी में ग्रुप सी और डी भर्ती का ऐलान, 8477 पदों पर नियुक्ति, 31 अक्तूबर तक आवेदन

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) ने सात वर्षों के लंबे इंतजार के बाद गैर-शिक्षण पदों पर बड़े पैमाने पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का ऐलान किया है। आयोग की ओर से शुक्रवार को जारी अधिसूचना में बताया गया है कि इस वर्ष कुल 8477 रिक्तियों पर नियुक्ति की जाएगी। इनमें 2989 पद ग्रुप ह्यसीह्व के तहत लाइब्रेरियन और क्लर्क के लिए हैं, जबकि 5488 पद ग्रुप ह्यडीह्व कर्मचारियों के लिए आरक्षित किए गए हैं। यह भर्ती प्रक्रिया सरकारी और सरकारी प्रायोजित उच्च विद्यालयों तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में गैर-शिक्षण कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिए की जा रही है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि विस्तृत अधिसूचना 31 अगस्त 2025 को जारी की जाएगी। इसके बाद आवेदन प्रक्रिया 16 सितम्बर से प्रारम्भ होगी, जो 31 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

मंत्री महेश्वर हजारी ने खुदीराम बोस पूसा स्टेशन पर अवध असम एवं पवन एक्सप्रेस के ठहराव की मांग

समस्तीपुर : राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी ने समस्तीपुर- मुजफ्फरपुर रेलखंड के खुदीराम बोस, पूसा स्टेशन पर अवध असम व पवन एक्सप्रेस के ठहराव एवं बरौनी हाजीपुर भाया समस्तीपुर के बीच तीन जोड़ी मेमु ट्रेनों का नियमित परिचालन की मांग की है। इस संदर्भ में मंत्री ने केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र प्रेषित किया है। जिसमें उन्होंने इस रेलखंड को अति महत्वपूर्ण व व्यस्ततम बताते हुए जनहित में मांग को पूरा करने की अपील की

है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि खुदीराम बोस पूसा रेलवे स्टेशन से समस्तीपुर रेलवे स्टेशन की दूरी करीब 20 किमी एवं ढोली स्टेशन की दूरी लगभग 15 किमी है। पूसा स्टेशन से आसपास के 50 से अधिक गांव के लोगों को दैनिक कार्यो के लिए रेल मार्ग से ही यात्रा करनी पड़ती है। लेकिन इस पूसा स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए अवध असम एवं पवन एक्सप्रेस के अप-डाउन के ठहराव पूसा स्टेशन पर अति महत्वपूर्ण है।बता दें कि पूसा स्टेशन से 11 किमी. की दूरी पर डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि, व भारतीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, क्षेत्रीय स्टेशन, पूसा, करीब 8 किमी पर बोरोलॉग इन्स्टीच्यूट फॉर साउथ एशिया (बीसा) के अलावा पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बिरौली, समस्तीपुर, केन्द्रीय विद्यालय, राज्य का एकलौता सहकारिता प्रशिक्षण केन्द्र, समेत करीब दर्जन भर संस्थान अवस्थित है। जहां राष्ट्रीय स्तर के लोगों का आना जाना लगा रहता है। इन सभी संस्थान से जुड़े लोगों के लिए खुदीराम बोस, पूसा स्टेशन सबसे नजदीकी स्टेशन है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज ग्वालियर में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का करेंगे शुभारंभ

- केंद्रीय मंत्री सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष तोमर होंगे विशिष्ट अतिथि

एजेंसी

ग्वालियर : मध्य प्रदेश के ग्वालियर में आयोजित दो दिवसीय रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में आज (शनिवार को) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी होंगे। प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला, प्रसिद्ध अभिनेता पीयूष मिश्रा और फैसल मलिक विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। ह्लटाइमलेस ग्वालियर : इकोज ऑफ कल्चर, स्पिरिट ऑफ लेगेसीह्व थीम पर आधारित कॉन्क्लेव में महत्वपूर्ण अनुबंध और साझेदारियां होंगी, नई परियोजनाओं का शुभारंभ होगा।

जनसम्पर्क अधिकारी हितेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि राजमाता

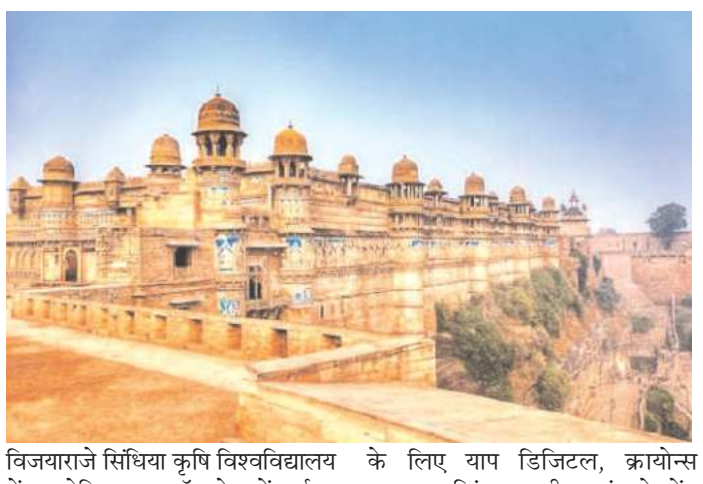

विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित इस कॉन्क्लेव में पर्यटन विकास को गति देने के लिए कई अहम करार होंगे। होटल, रिसोर्ट, वेलनेस और ईको-टूरिज्म क्षेत्र के निवेशकों को लेटर ऑफ अवॉर्ड (छड्ढअ) प्रदान किए जाएंगे। पारंपरिक संगीतज्ञों, लोक कलाकारों और पर्यटक ग्रामों के कलाकारों की क्षमता निर्माण के लिए ग्वालियर की मान सिंह तोमर यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू होगा। इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और प्रचार-प्रसार के लिए याप डिजिटल, क्रायोन्स एडवरटाइजिंग, जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज़ लिमिटेड, कॉन्सेप्ट कम्युनिकेशन्स साथ अनुबंध होंगे। इन समझौतों से न केवल निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय समुदाय और कलाकार भी प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे।

नई परियोजनाओं का होगा शुभारंभ

उन्होंने बताया कि कॉन्क्लेव में कई नई परियोजनाओं की शुरूआत होगी। इनमें हस्तशिल्पों की मार्केटिंग में संस्था डेलबर्टो महत्वपूर्ण साझेदारी होगी। इस साझेदारी से, हस्तशिल्प प्रेमी एक विशेष ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए सीधे हमारे कारीगरों से जुड़कर उनके द्वारा तैयार किए गए उत्कृष्ट और प्रामाणिक उत्पाद घर बैठे ही खरीद सकेंगे। इंडिगो और आगा खां फाउंडेशन के सहयोग से सीएसआर के अंतर्गत ग्वालियर किले में संरक्षण, लैंडस्केपिंग और इल्युमिनेशन कार्यों का शिलान्यास होगा। स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत ग्वालियर के फूल बाग में अनुभवात्मक पर्यटन परियोजनाओं का शिलान्यास होगा तथा मान सिंह तोमर म्यूजिक यूनिवर्सिटी में विकास कार्यों का शिलान्यास होगा।

विरासतों, धरोहरों और अनुभवात्मक पर्यटन की संभावनाओं पर होगा मंथन

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में दो महत्वपूर्ण सत्र होंगे। ह्लटूरिज्म ऐज अ कल्चरल ब्रिज झ ब्रांडिंग ग्वालियर एंड हार्टलैंड ऑफ एमपीह्व विषय पैनल डिस्कशन होगा, जिसमें ग्वालियर की सांस्कृतिक धरोहर, शास्त्रीय संगीत और स्थापत्य कला को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की रणनीतियों पर विचार होगा। दूसरा पैनल डिस्कशन ह्लग्वालियर एंड चंबल राइजिंग झ इनबाउंड अपील थ्रू हेरिटेज, लग्जरी एंड एक्सपीरियंसह्व विषय पर केंद्रित होगा, जिसमें विरासत, लग्जरी स्टे, डेस्टिनेशन वेडिंग और अनुभवात्मक पर्यटन जैसे नए आयामों पर संवाद होगा।

हितधारक पर्यटन व्यवसाय में निवेश की संभावनाओं पर करेंगे चर्चा

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में ट्रैवल ऑपरेटर्स, होटल व्यवसायियों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के बीच द्विपक्षीय संवाद और पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा होगी। यह सत्र न केवल क्षेत्रीय पर्यटन के विकास के लिए, बल्कि राष्ट्रीय पर्यटन समृद्धि के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

उपायुक्त ने की आयुष्मान योजना की समीक्षा स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर दिए अहम निर्देश

लैप्रोस्कोपिक सर्जरी व अल्ट्रासाउंड मशीन समेत सभी उपकरणों की खरीद सितंबर में पूरी करें : उपायुक्त

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा: समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयुष्मान भारत योजना से संबंधित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उपायुक्त ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सदर अस्पताल समेत जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मॉड्यूलर सेवाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सितंबर माह के भीतर लैप्रोस्कोपिक सर्जरी, अल्ट्रासाउंड मशीन, न्यूरोसर्जन उपकरण सहित अन्य आवश्यक चिकित्सा मशीनों की खरीद नियमानुसार पूरी कर ली जाए। बैठक में आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभान्वित लोगों से संबंधित अद्यतन डाटा की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को योजना के सुचारू क्रियान्वयन के लिए नियमित मॉनिटरिंग करने एवं लाभार्थियों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने का निर्देश दिया। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य चिकित्सक एवं कर्मी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अस्पतालों की सेवाओं में सुधार लाने हेतु तत्परता से कार्य करें, जिससे जिले के आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सुरक्षित यातायात को लेकर दिये कड़े निर्देश

- बिना हेलमेट दुपहिया चालकों पर होगी कड़ी कार्रवाई, लगेगा जुर्माना

-जिले में ऑटो एवं टोटो वाहनों के रजिस्ट्रेशन के लिए विशेष कैंप करें आयोजित : उपायुक्त

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा: समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम पूर्व की बैठक में लिये गये निर्णयों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त ने हिट एंड रन मामलों में मुआवजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जानकारी ली तथा जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी को निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटनाओं के उपरांत प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई कर पीड़ितों या उनके परिजनों को मुआवजा राशि प्रदान की जाये। कोडरमा घाटी में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए सुरक्षा साइनेज लगाने और ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में सुधार के लिए सड़क चौड़ीकरण कराने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सड़क दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को शीघ्र इलाज उपलब्ध कराने के लिए गुड सेमेरिटन कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न स्थानों पर बैनर और पोस्टर लगाने का भी निर्देश दिया। बैठक में सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति आम नागरिकों में जन-जागरूकता अभियान चलाने पर विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) को सड़क सुरक्षा हेतु स्ट्रीट लाइट तथा अन्य सुरक्षा साइनेज लगाने के निर्देश दिये गये। जिला परिवहन पदाधिकारी को जिले में ऑटो एवं टोटो वाहनों के रजिस्ट्रेशन के लिए विशेष कैंप आयोजित करने तथा नियमित रूप से वाहन चेकिंग अभियान संचालित करने का निर्देश भी दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि बिना हेलमेट पहने दुपाहिया वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करें और उनपर जुमार्ना लगायें। साथ ही जहां तहां ऑटो व टोटो खड़ा करने पर संचालक पर कठोर कार्रवाई करें ताकि यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रहे और आमजनों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। उपायुक्त ऋतुराज ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, सभी अंचलाधिकारी व थाना प्रभारी समेत अन्य मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन को राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष ने दी बधाई

बरकट्ठा (रांची): मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना के माध्यम से झारखंड की लाखों बहन- बेटियों और महिलाओं के चेहरों पर मुस्कान लाने वाली, गाण्डेय विधानसभा क्षेत्र की विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन से अध्यक्ष झारखण्ड राज्य पिछडावर्ग आयोग, पूर्व विधायक, बरकट्ठा जानकी प्रसाद यादव ने मिलकर उन्हें हार्दिक बधाई दी और कहा मइयां सम्मान योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। श्री यादव ने कहा कि रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर 2500 सीधे महिलाओं के खाते में भेजे गए। इसके अतिरिक्त कल्पना मुर्मू सोरेन के विशेष आग्रह पर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने करमा पूजा के अवसर पर 2500 देने की घोषणा की है। इस दूरदर्शी और संवेदनशील पहल के लिए श्री यादव ने विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन जी का हृदय से आभार व्यक्त किया। मइयां सम्मान योजना से आज प्रत्येक झारखण्ड की महिलाओं को साल में 30000 सीधे खाता में देकर केवल वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने का एक सशक्त माध्यम है। यह योजना राज्य की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने में मदद मिल रहा है, इस राशि से छोटी- छोटी जरूरतें को पूरा कर पा रही हैं महिलाएं।

15 साल बाद सिंह परिवार को मिला संपत्ति पर कब्जे का अधिकार

चक्रधरपुर: पश्चिम सिंहभूम, लगभग 15 वर्षों की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद दीप नारायण सिंह, पुत्र स्वर्गीय रामप्रवेश सिंह, को 29 अगस्त 2025 को न्यायालय के आदेश पर उनकी संपत्ति का कब्जा वापस मिला। चांदमारी रोड स्थित यह संपत्ति पूर्व में किरायेदार स्वर्गीय पुनालाल शर्मा के कब्जे में थी। सिविल जज जूनियर डिवीजन, अंकित कुमार सिंह के निर्देशानुसार न्यायालय के बेलिफ द्वारा 29 अगस्त 2025 को कब्जा दिलाया गया। पुनालाल शर्मा के निधन के बाद उनकी पत्नी रेखा देवी एवं पुत्र अमित शर्मा से विधिक प्रक्रिया के तहत संपत्ति वापस प्राप्त की गई, दीप नारायण सिंह ने कहा न्याय में देर हुई, पर न्याय मिला। आज हमें हमारा हक वापस मिला।

झारखण्ड शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन

झुमरी तिलैया: झारखण्ड शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के शुभ अवसर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बी.एड. एवं डी.एल.एड. के प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग लिया। सर्वप्रथम खेल के प्रारम्भ में महाविद्यालय के सचिव महान शिक्षाविद्, समाजसेवी, डॉ. डी. एन. मिश्रा ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर मार्त्यापण व पुष्प अर्पित किया गया तथा स्व. मेजर ध्यान चन्द्र के प्रतिमा पर भी मार्त्यापण व पुष्प अर्पित कर कहा हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की खेल भावना और अनुशासन आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा लेने की आवश्यकता है. मेजर ध्यान चन्द्र के जीवन पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षुओं को कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अध्ययन एवं अभ्यास के द्वारा अपनी सफलता को प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अजय कुमार यादव जी ने प्रशिक्षुओं को शुभ आशीर्वाद देकर प्रोत्साहित किया उक्त अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षकेत्तर एवं कर्मीगण उपस्थित रहें।

जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न, अवैध खनन पर लगेगी लगाम

कोडरमा: समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त द्वारा पत्थर एवं बालू खनिज के अवैध/ परिवहन/ भंडारण की रोकथाम, वन क्षेत्र अंतर्गत पत्थर, माईका एवं ब्लू स्टोन खनिज के अवैध खनन/ परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई और प्रदूषण नियमों के तहत जिला अंतर्गत संचालित खनन पट्टा/ क्रशर की जांच से संबंधित समीक्षा किया गया। इसके साथ ही उपायुक्त महोदय ने खनन विभाग, अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी के द्वारा अवैध खनन व परिवहन करने पर हुई कार्रवाई की भी जानकारी लिया और आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिले में पत्थर एवं बालू खनिज के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये। साथ ही, बालू के अवैध भंडारण की भी जांच कर आवश्यकतानुसार लगाम लगाने के साथ कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया। उपायुक्त ऋतुराज ने वन क्षेत्र के अंतर्गत पत्थर, माईका एवं ब्लू स्टोन खनिज के अवैध खनन माफियाओं एवं परिवहन के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई के निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त, जिले में संचालित खनन पट्टा धारकों एवं क्रशर इकाइयों की प्रदूषण नियंत्रण नियमों के तहत जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, अपर समाहर्ता पूनम कुजूर समेत सभी अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

पीसी एंड पीएनडीटी अधिनियम के सख्त पालन पर जोर

नियम उल्लंघन पर करने वालो पर गिरी गाज,कांति क्लीनिक को 2 लाख, डॉ. कामदेव प्रसाद क्लीनिक को 50 हजार का जुर्माना

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा: उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में पीसी एंड पीएनडीटी के अंतर्गत जिला सलाहकार समिति एवं जिला निरीक्षण एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में निदान अल्ट्रासाउंड से प्राप्त निबंधन से संबंधित आवेदनों पर विचार-विमर्श किया गया। समिति ने निर्णय लिया कि ऐसे आवेदन, जिनमें संचालक का नाम उल्लिखित नहीं है, स्वीकृत नहीं किए जाएंगे। बैठक में हमारा अल्ट्रासाउंड का नया निबंधन अनुमोदित किया गया। शीला रानी हॉस्पिटल एवं मैक्स डायग्नोस्टिक द्वारा नवीनकरण हेतु प्रस्तुत आवेदन के संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी के निरीक्षण के क्रम में कुछ खामियां पाई गईं, जिन पर नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया। प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद ही नये सिरे से निबंधन पर निर्णय लिया जाएगा। आशादीप डायग्नोस्टिक द्वारा नए स्थान पर केंद्र स्थानांतरित करने हेतु प्रस्तुत आवेदन पर निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। वहीं प्लस डायग्नोस्टिक के आवेदन पर विचार करते हुए नए डॉक्टर की नियुक्ति संबंधी आवेदन को स्वीकृत किया गया। उपायुक्त ने समिति को निर्देश दिया कि प्रत्येक 15 दिनों में कम से कम एक निबंधित अल्ट्रासाउंड केंद्रों का अनिवार्य रूप से निरीक्षण करें तथा अनाधिकृत रूप से संचालित केंद्रों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

क्लीनिक एस्टैब्लिशमेंट एक्ट से संबंधित मामलों पर भी चर्चा की गईः कांति क्लीनिक के औचक निरीक्षण के दौरान बिना चिकित्सक एवं बिना निबंधन के संचालन पाया गया, जहाँ मरीजों का इलाज कांति देवी द्वारा किया जा रहा था। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अनुमंडल पदाधिकारी से प्राप्त प्रतिवेदन के उपरांत इस क्लीनिक पर 2 लाख का जुर्माना लगाया जाए, तत्पश्चात निबंधन पर निर्णय लिया जाएगा। डॉ. कामदेव प्रसाद होमियो क्लीनिक पर 50 हजार का जुर्माना लगाते हुए उसके निबंधन से संबंधित संपूर्ण अभिलेखों की जांच करने का निर्देश दिया गया। किशन एक्स-रे एवं शारदा एक्स- रे के मामलों में क्लीनिक एस्टैब्लिशमेंट एक्ट के अनुरूप कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य सरकार के मानकों के अनुरूप निजी अस्पतालों के संचालन की जांच की जाए तथा अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह कम से कम चार अस्पताल का निरीक्षण करें और प्रतिवेदन उपलब्ध कराया। बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन को लेकर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी निजी स्वास्थ्य संस्थान बायो मेडिकल वेस्ट नियमों का अनुपालन करें। जिन संस्थानों द्वारा जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट का उठाव समय पर नहीं किया जाता, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं निजी अस्पतालों में फायर ऑडिट सुनिश्चित करने तथा सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में झोलाछाप चिकित्सकों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, सहायक नोडल पदाधिकारी (पीसी एंड पीएनडीटी) डॉ. मनोज कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार, अविनाश कुमार सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे।

स्कूली शिक्षा को बेहतर और व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर दें विशेष ध्यान: उपायुक्त

देवघर: जिले के उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में शुक्रवार को शिक्षा विभाग से सबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने मध्याह्न भोजन योजना, समग्र शिक्षा अभियान, विद्यालय में बच्चों की इनरोलमेंट, पोषाक वितरण, डिजिटल शिक्षा, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं अन्य विद्यालय की आवश्यकता व नामांकन, स्कूल किट, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में सीबीएसई के माध्यम से चयन, आइसीटी प्रोग्राम एवं स्मार्ट क्लास एवं स्टीयरिंग समिति से जुड़े विभिन्न कार्यों की बिंदुबार समीक्षा करते हुए जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर शिक्षा व्यवस्था को बेहतर और सुदृढ़ करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। साथ ही बच्चों का स्कूल में नामांकन सुनिश्चित कराने और अनुपस्थित बच्चों को स्कूल लाने के लिए प्रयास कार्यक्रम के तहत कार्य करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। आगे उन्होंने अभियान के तहत विद्यालय से बाहर रह गये बच्चे, प्रवासी बच्चे व विशेष आवश्यकता वाले बच्चे के माता-पिता तक पहुंचने का प्रयास करने का निर्देश दिया, ताकि शत प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति स्कूलों में सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने आउट आफ स्कूल एंव ड्रॉप आउट प्रतिशत, शिक्षक व छात्रों की स्कूलों में उपस्थिति के अलावा मिड डे मिल वितरण व आवंटन की स्तिथि से अवगत हुए। साथ ही उपायुक्त ने स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में बेहतर तरीके से कार्य करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने बीआरसी भवन की स्थिति, सभी सरकारी विद्यालयों की आधारभूत संरचना की स्थिति, केंद्रीय विद्यालयों की स्थिति, शिक्षकों, पदाधिकारियों एवं कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति, विद्यालयों में सुव्यवस्थित इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट क्लास, कछळ लैब, विद्यालयों में पौधारोपण, पुस्तक वितरण, खेलकूद, एमडीएम, इको क्लब, पुस्तकालय समेत अन्य एजेंडा की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा शैक्षणिक वातावरण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। आगे जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग कमिटि की बैठक में उपायुक्त ने मुख्य रूप से विद्यालयों में मध्याह्न भोजन वितरण की स्थिति, रसोई सेड, विद्यालयों में खाद्यान्न की प्रत्येक माह ससमय उपलब्धता, विद्यालयों में पोषण वाटिका (किचन गार्डन) की स्थिति के अलावा विद्यालयों में कार्यरत रसोईया सहित एवं स्कूलों में रसोईयों की आवश्यकता की बिन्दुआर समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया।

नुक्कड़ नाटक व जागरूकता रथ के माध्यम से लोगों को किया जा रहा है जागरूक

देवघर: जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत लाभान्वित लाभुकों का शत प्रतिशत ई-केवाईसी कराने के साथ आपूर्ति विभाग द्वारा चलाई जाने वाली विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से अवगत कराने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का आयोजन व जागरूकता रथ का संचालन जिले सभी पंचायतों में किया जा रहा है। इस कड़ी में प्रचार रथ व नुक्कड़ नाटक की टीम जिले के प्रखंडों व गांवों में भ्रमण कर आमजन को खाद्य, सार्वजनिक वितरण तथा उपभोक्ता मामले विभाग झारखंड सरकार की योजनाओं की जानकारी दे रहा है। साथ ही लाभुकों को विभागीय योजनाओं के साथ-साथ अयोग्य लाभार्थियों द्वारा धोखाधड़ी किये जाने की स्थिति में दंडात्मक प्रावधान, वन नेशन-वन राशन कार्ड के तहत सुविधा, ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया तथा पीजीएमएस पोर्टल के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है।

ईद-मिलाद-उन-नबी पर सौहार्द व सुरक्षा को लेकर डीआईजी ने जारी किया निर्देश

पलामू प्रक्षेत्र में सभी जिलों को सतर्क रहने का आदेश, सोशल मीडिया और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी

संवाददाता

मेदिनीनगर: ईद-मिलाद-उन-नबी पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाए जाने के उद्देश्य से पलामू प्रक्षेत्र के डीआईजी नौशाद आलम ने पलामू, गढ़वा और लातेहार के उपायुक्तों/ पुलिस अधीक्षकों को संवेदनशील दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस वर्ष 5 सितंबर को मनाया जाने वाला यह पर्व, पैगम्बर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्म दिवस की स्मृति में आयोजित होता है, जिसमें तकरीर, फातिहा, नातिया कलाम और जुलूसों का विशेष महत्व होता है।

डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि ईद-मिलाद-उन-नबी केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि भाईचारे, सहिष्णुता और अमन का संदेश है। इसे शांतिपूर्ण ढंग से मनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अपने निदेर्शों में कहा कि पर्व से पहले शांति समिति की बैठक आयोजित की जाए, जिसमें दोनों समुदायों के सम्मानित नागरिक, जनप्रतिनिधि और नवयुवकों को आर्मंत्रित कर संवाद स्थापित किया जाए। समाज के उन प्रभावशाली लोगों से भी संपर्क बनाए रखा जाए जिनकी बातों को समुदाय के लोग सम्मानपूर्वक मानते हैं। इस संवाद का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी तरह की गलतफहमी या टकराव की स्थिति से पूर्व ही निपटा जा सके।

डीआईजी ने प्रशासन से कहा है कि पर्व के अवसर पर निकलने वाले जुलूसों के मार्ग की पूर्व जानकारी ले ली जाए और उसी के अनुसार व्यवस्था की जाए। धार्मिक स्थलों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों और पहले से संवेदनशील माने जाने वाले स्थानों पर विशेष पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। हर स्तर पर निगरानी बनी रहे और कोई भी अफवाह फैलाने वाला व्यक्ति पुलिस की नजर से बाहर न रहे। उन्होंने जोर दिया कि यदि किसी व्यक्ति या समूह के बारे में पूर्व में साम्प्रदायिक तनाव भड़काने की जानकारी हो, तो ऐसे तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निगरानी को लेकर भी विशेष निर्देश दिए गए हैं। लोगों को जागरूक किया जाए कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध या भ्रामक सूचना मिलने पर उसे वायरल करने के बजाय डायल-112 या स्थानीय पुलिस से संपर्क करें। साथ ही, मीडिया प्रतिनिधियों से समन्वय बनाए रखते हुए उनसे अपील की गई है कि खबरों को बढ़ा-चढ़ा कर या तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत न किया जाए, ताकि जनता में भ्रम या भय का माहौल उत्पन्न न हो। डीआईजी ने यह भी स्पष्ट किया कि पर्व के दिन अवैध शराब की बिक्री और नशे की हालत में जुलूस में शामिल होना किसी भी तनाव का कारण बन सकता है। अतः इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और यदि कोई व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता पाया जाए तो उसके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। अंत में उन्होंने कहा कि सभी थानेदार, पुलिस उपाधीक्षक और अन्य अधिकारी पर्व के दिन स्वयं अपने-अपने क्षेत्र में उपस्थित रहें, संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर भ्रमण करें और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि धार्मिक स्थलों, कानों, इबादतगाहों और विवादास्पद स्थलों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए और पहले से अगर किसी इलाके में धार्मिक झंडा या बैनर लगाए जाने की परंपरा रही हो, तो उसे लेकर कोई नया विवाद उत्पन्न न हो, इसके लिए पहले से स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए जाएं।

डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब का उपदेश इस पर्व में प्रेम, करुणा और इंसानियत और आपसी भाइचारे को आगे बढ़ाना है,और संकल्प ले के अपने जीवन में आत्मसात करना है !प्रशासक की कोशिश है कि हर नागरिक इसे श्रद्धा और उल्लास के साथ मना सके, और किसी भी तरह की अफवाह या अव्यवस्था की कोई गुंजाइश न रहे।